■ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 92 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 27-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अब 'बिहारी होना' राज्य के लोगों के लिये गर्व की बात : नीतीश

6 एक पर्व नहीं, महापर्व है छठ पूजा

7 'बाहुबली: द एपिक' ट्रेलर ने मचाई धूम, प्रभास का दिखा दमदार अवतार

फर्स्ट टेक

इसरो दो नवंबर को संचार उपग्रह प्रक्षेपित करेगा

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से दो नवंबर को एलवीएम3 प्रक्षेपण यान के जरिये सीएमएस-03 संचार उपग्रह को प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो ने एक बयान में कहा, ''भारत का एलवीएम3 प्रक्षेपण यान दो नवंबर 2025 को अपनी पांचवीं उड़ान (एलवीएम3-एम5) में सीएमएस-03 संचार उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने जा रहा है।'' अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है जिसे भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 4,400 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित होने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह होगा।

21 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर/भाषा। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार को 21 माओवादियों ने अधिकारियों को 18 हथियार सौंपने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन माओवादियों ने बस्तर रेंज पुलिस द्वारा शुरू की गई 'पूना मार्गेम: पुनर्एकीकरण के माध्यम से पुनर्वास' पहल के तहत हथियार डाले। उन्होंने कहा, '' इन 21 लोगों में संभागीय समिति सचिव मुकेश भी शामिल है। इनमें 13 महिला वाम चरमपंथी हैं। इन 21 लोगों में संभागीय समिति के चार सदस्य, क्षेत्र समिति के नौ सदस्य और आठ निचले स्तर के सदस्य हैं। ये सभी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के केशकाल संभाग (उत्तरी उप-क्षेत्रीय ब्यूरो) की कुएमारी/किस्कोडो क्षेत्र समिति के सदस्य हैं।'' अधिकारी ने बताया कि इन माओवादियो ने तीन एके-47, दो इंसास राइफलें, चार एसएलआर राइफलें, छह .303 राइफलें, दो सिंगल शॉट राइफलें और एक बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) सौंपा।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के 127वें संस्करण में कहा

ऑपरेशन सिंदूर और नक्सलवाद के खात्मे ने त्योहारों की रौनक बढ़ायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **देश और दुनिया के किसी भी कोने में हों, यदि मौका मिले, तो छठ उत्सव में जरूर हिस्सा लें।**

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और माओवादी समस्या के उन्मूलन के लिए उठाये गए कदमों के कारण इस वर्ष त्योहारों की रौनक पहले से ज्यादा हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात' के 127वें संस्करण में कहा कि छठ पूजा भक्ति, स्नेह और परंपरा का संगम है और यह भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है।

मोदी ने कहा, ''छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है।'' उन्होंने कहा, ''ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण हैं। आप देश और दुनिया के किसी भी कोने में हों, यदि मौका मिले, तो छठ उत्सव में जरूर हिस्सा लें।''

उन्होंने त्योहारों के इस अवसर पर नागरिकों को लिखे अपने पत्र को याद करते हुए कहा कि देश की उपलब्धियों से इस बार त्योहारों की रौनक पहले से ज्यादा हो गई है। उन्होंने कहा, '' 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है। इस बार उन इलाकों में भी खुशियों के दीप जलाए गए जहां कभी माओवादी आतंक का अंधेरा छाया रहता था। लोग उस माओवादी आतंक का जड़ से खात्मा चाहते हैं जिसने उनके बच्चों का भविष्य संकट में डाल दिया था।'' मोदी ने कोमरम भीम के साहस की भी सराहना की, जिन्होंने हैदराबाद के निजाम के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और क्षेत्र में किसानों की फसलों को जब्त करने के लिए उनके द्वारा भेजे गए एक अधिकारी को मार डाला था। उन्होंने कहा, ''साथियो, उस दौर में जब निजाम के खिलाफ एक शब्द बोलना भी गुनाह था। उस नौजवान ने सिद्दीकी नाम के निजाम के एक अधिकारी को खुली चुनौती दे दी थी। निजाम ने सिद्दीकी को किसानों की फसलें जब्त करने के लिए भेजा था।

विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है भारतीय कॉफी : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल सहित देश के विभिन्न राज्यों में उगाई जाने वाली कॉफी विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर भी कॉफी की खेती में आगे बढ़ रहा है और इससे दुनिया भर में भारतीय कॉफी की पहचान और मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा, ''दुनिया भर में भारत की कॉफी बहुत लोकप्रिय हो रही है। चाहे कर्नाटक में चिकमंगलुरु, कुर्ग और हासन हो या तमिलनाडु में पुलनी, शेवरॉय, नीलगिरी और अन्नामलाई के इलाके हों। कर्नाटकतमिलनाडु सीमा पर नीलगिरि क्षेत्र हो या फिर केरल में वायनाड, त्रावणकोर और मालाबार के इलाके हों – भारत की कॉफी की विविधता देखते ही बनती है।''

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला है।

यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था, जो शक्तिशाली और स्वस्थ हो।'' उन्होंने कहा, ''हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित है। हम मानते हैं कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा।'' सिंह ने कहा, ''हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है।''

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के लिए गौरव की बात है कि इसे दक्षिण एशिया में रोबोटिक्स सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता मिली है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से मेडिकल प्रशिक्षण और तकनीकी अनुसंधान को नई दिशा देगी। उन्होंने अस्पताल के एमडी डॉ. पी एन अरोड़ा के संदर्भ में कहा, ''हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरुआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है। यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पी एन अरोड़ा ने 1986 में अपनी माता को कैंसर की वजह से मृत्युशैया पर देखा, उनकी इसी पीड़ा ने यशोदा मेडिसिटी को जन्म दिया।''

मैं पाक-अफगान युद्ध का समाधान 'बहुत जल्द' निकालूंगा : डोनाल्ड ट्रंप

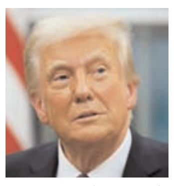

इस्लामाबाद/कुआलालंपुर/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष को बहुत जल्द सुलझा लेंगे। उन्होंने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को ''महान व्यक्ति'' करार दिया। मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन से इतर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया तनाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''मैं उन दोनों को जानता हूँ... पाकिस्तान के फील्ड मार्शल और प्रधानमंत्री दोनों ही बहुत महान लोग हैं, और मुझे पता है कि हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे। यह काम कुछ दिन पहले ही शुरू हुआ है।'' पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जब लड़ाई शुरू हुई तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने शांति स्थापित करने में सहायता करने में तुरंत रुचि व्यक्त की, हालांकि उस समय वह हमास और इजराइल के बीच बंधकों की अदला-बदली की देखरेख में व्यस्त थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''क्योंकि मैं युद्ध सुलझाने में अच्छा हूँ, मैं शांति स्थापित करने में भी अच्छा हूँ।'' इस बीच, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक संयुक्त निगरानी और निरीक्षण तंत्र स्थापित करने के लिए इस्तांबुल में दूसरे दौर की वार्ता की।

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले की जांच का जिम्मा संभाला

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके की एक रैली के दौरान भगदड़ मचने से संबंधित मामले की जांच का जिम्मा संभाल लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की एक विशेष टीम तमिलनाडु के करूर में स्थित वेलुसामीपुरम में घटनास्थल का दौरा कर चुकी है। सत्ताइस सितंबर को विजय रैली के दौरान भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 60 से अधिक व्यक्ति घायल हुए थे। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की प्राथमिकी के आधार पर नयी प्राथमिकी दर्ज कर ली है और स्थानीय अदालत को भी इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन किया, कहा-

स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय विकास का अभिन्न अंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय विकास का अभिन्न अंग है और किसी भी नागरिक को प्रभावी चिकित्सा सेवाओं से वंचित नहीं होना चाहिए।

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक निजी अस्पताल 'यशोदा मेडिसिटी' का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सेवा देकर चिकित्सा पेशे से जुड़े लोग राष्ट्र की भी सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी की प्रतिबद्धता की सराहना करती हूं। मुझे यह

जानकर खुशी हुई कि यशोदा अस्पताल राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के अनुरूप ईमानदारी से काम कर रहा है।''

इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी उपस्थित रहीं।

राष्ट्र निर्माण में स्वास्थ्य सेवा की भूमिका पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने कहा, ''स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय विकास का एक अभिन्न अंग है।''

लोगों को बीमारियों से बचाना और उनके स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है, जो देश भर में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और चिकित्सा सेवाओं का निरंतर विस्तार कर रही है। उन्होंने आगे कहा, ''ये प्रयास एक स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देंगे।''

राष्ट्रपति ने देश के हर कोने तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र सहित सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''किसी भी नागरिक को प्रभावी चिकित्सा सेवाओं से वंचित नहीं होना चाहिए। अच्छे निजी संस्थान इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।''

राष्ट्रपति ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोग भी देश के विकास में योगदान देते हैं, इसलिए उनका जीवन भी अनमोल है और उन्हें भी पूर्ण सहयोग और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच मिलनी चाहिए।

सूर्यास्त 27-10-2025	सूर्योदय 28-10-2025
5:43 बजे	6:01 बजे

BSE	NSE
84,211.88	25,795.15
(-344.52)	(-96.25)

सोना	चांदी
13,446 रु.	188,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

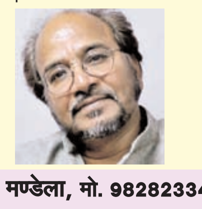

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सकते में जंगल

कह रहा चुनावों में कुछ भी,
नेता दरिद्र बन बेचारा।
बिच्छू घड़ियाल गधे कौवे,
बंदर सांपों का हक मारा।
गीदड़ कह रहे शेर खुद को,
खुद शेर चर रहे हैं चारा।
इन बदले नामों कामों से,
सकते में है जंगल सारा।।

अमेरिका पाकिस्तान के साथ रणनीतिक संबंध बढ़ाना चाहता है लेकिन भारत की कीमत पर नहीं : रुबियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान के साथ हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वह भारत के साथ हमारे संबंधों या मित्रता की कीमत पर है। भारत के साथ रिश्ते गहरे, ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण हैं।**

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि उनका देश पाकिस्तान के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने का इच्छुक तो है, लेकिन यह भारत के साथ उसके ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण संबंधों की कीमत पर नहीं होगा। रुबियो ने सोमवार को कुआलालंपुर में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ निर्धारित बैठक से पहले रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि नई दिल्ली ने पहले ही कच्चे तेल की खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है।

अमेरिकी विदेश मंत्री आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया की अपनी यात्रा से पहले संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

रुबियो ने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत ''स्पष्ट कारणों से चिंतित है'' और अमेरिका का पाकिस्तान के साथ संबंध नई दिल्ली के साथ संबंधों की कीमत पर नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''लेकिन, मुझे लगता है कि उसे (भारत को) यह समझना होगा कि हमें कई अलग-अलग देशों के साथ संबंध रखने हैं। हम पाकिस्तान के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने का अवसर देखते हैं।''

रुबियो ने कहा, ''मुझे लगता है कि कूटनीति और उस तरह की चीजों के मामले में भारतीय बहुत परिपक्व हैं। देखिए, उनके कुछ ऐसे देशों के साथ रिश्ते हैं जिनके साथ हमारे रिश्ते नहीं हैं। इसलिए, यह एक परिपक्व, व्यावहारिक विदेश नीति का हिस्सा है।''

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान के साथ हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वह भारत के साथ हमारे संबंधों या मित्रता की कीमत पर है। भारत के साथ रिश्ते गहरे, ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण हैं।''

गत छह महीनों में अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में घनिष्ठता देखी गई है, खासकर मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ बैठक के बाद।

परमाणु इंजन वाली अनोखी

क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की पुतिन ने घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असीमित रेंज वाली अद्वितीय परमाणु ऊर्जा संचालित 'बुरेवेस्त्निक' क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की रविवार को घोषणा की और सशस्त्र बलों को इसकी तैनाती के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने का आदेश दिया।

पुतिन ने 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' और अन्य सैन्य कमांडरों के साथ अपनी बैठक में उल्लेख किया कि हाल में परमाणु शक्तियों के अभ्यास के दौरान 'बुरेवेस्त्निक' क्रूज मिसाइल 15 घंटे तक हवा में रही और उसने सफल परीक्षणों के दौरान 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की। इस बैठक का टेलीविजन का प्रसारण किया गया।

रूस के सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में पुतिन ने इससे पहले सुबह यूक्रेन में सैन्य अभियानों के संयुक्त स्टाफ का दौरा किया और चीफ जनरल स्टाफ जनरल वालेरी गेरासिमोव के नेतृत्व में बल कमांडरों के साथ बातचीत की।

गेरासिमोव ने पुतिन को दो महत्वपूर्ण दिशाओं में 10,000 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों की घेराबंदी किए जाने के जानकारी दी।

गेरासिमोव ने कहा, ''31 बटालियन वाले यूक्रेनी सशस्त्र बलों के एक बड़े समूह को अवरुद्ध कर दिया गया है।''

रूस ने कीव पर ड्रोन से हमले किए, तीन लोगों की मौत

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार रात ड्रोन से हमले किए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कीव पर लगातार दूसरी रात हुए हमले में कम से कम 29 लोग घायल हो गए, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि मारे गए लोगों में 19 वर्षीय लड़की और उसकी 46 वर्षीय मां शामिल हैं। रूसी ड्रोन हमले के कारण राजधानी के देस्नियान्स्की जिले में दो रिहायशी इमारतों में आग लग गई। आपातकालीन दल ने नौ मंजिला इमारत और 16 मंजिला इमारत से निवासियों को निकाला। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 101 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 90 को यूक्रेनी बलों ने मार गिराया। हालांकि, ड्रोन से हुए हमलों में चार स्थानों पर नुकसान पहुंचा।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी संतरत्न थे आचार्य देवेन्द्रमुनि : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

आचार्य के जन्मोत्सव के साथ मनाया ज्ञान पंचमी का पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी का 95 वां जन्मोत्सव दो-दो सामायिक व्रत साधना के साथ तप त्यागपूर्वक रविवार को सामायिक-गुणगान दिवस के रूप में ज्ञान पंचमी पर्व आराधना के साथ मनाया गया।इस अवसर पर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी के गुणानुवाद करते हुए उन्हें बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी, साहित्य मनीषी, आगम मर्मज्ञ, दूरदृष्टा, महान ज्ञानी ध्यानी आचार्य बताया। देवेन्द्रमुनिजी के संयमी जीवन के विभिन्न प्रेरक संस्मरणों को प्रस्तुत करते हुए नरेशमुनि ने कहा कि उन्हें आचार्यश्री के सान्निध्य, सेवा में रहने का सौभाग्य और विश्वसन्त उपाध्याय पुष्कर मुनि जी के सेवा सान्निध्य का मौका मिला। मुनिश्री ने कहा कि देवेन्द्रमुनिजी के जन्म के 29 दिन पर ही उनके पिताश्री का वियोग हो गया था, तब अल्पवय के बालक को देखकर दूरदृष्टा आचार्यश्री जवाहरलाल जी ने कह दिया था कि यह बालक आगे चलकर संयम पथ पर बढ़ते हुए एक दिन नवकार महामंत्र के तीसरे पद, अर्थात आचार्य पद पर प्रतिष्ठित होकर भगवान महावीर के जिनशासन की, श्रमण संघ की

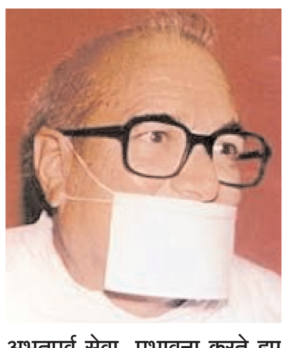

अभूतपूर्व सेवा, प्रभावना करते हुए जिनशासन के गौरव में चार चांद लगाएगा और जवाहरलालजी की यह भविष्यवाणी समय के साथ सही साबित हुई। उन्होंने 450 से अधिक साहित्यिक पुस्तकों की सर्जना की। आचार्यश्री हस्तीमल जी के साथ उनकी अनमोल कृति जैन धर्म का मौलिक इतिहास का सम्पादन किया। देवेन्द्रमुनिजी अपने गुरुदेव पुष्कर मुनि जी के पास आचार्य बनकर भी अपने गुरु देव के पाट के नीचे ही बैठे, ऊपर नहीं बैठे। यह उनके आचार्य होकर भी अपने ज्ञान दाता, संयम दाता परम पूज्य गुरुदेव श्री के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, आदर सम्मान की भावना, सेवा भावना के साथ उनकी विराटता, विनयशीलता का जीता जागता उदाहरण है।

ज्ञातव्य है कि नरेशमुनिजी आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी, उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी के प्रथम शिष्य है। नरेशमुनिश्री ने ज्ञान पंचमी पर्व पर भी सारगर्भित प्रकाश डाला। उन्होंने महासाध्वी श्री पुनीत ज्योति जी के 9 उपवास की तपस्या पर उनके महान तप की अनुमोदना की।प्रारंभ में श्री शालिभद्रमुनिजी ने आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी का गुणगान करते हुए उन्हें महान ज्ञानी, ध्यानी, आगम दिवाकर, कुशल प्रवचनकार, शब्द शिल्पी,महान आचार्य बताया। गुरु के महान अनेक गुणों का कथन करना हमारे लिए सूर्य को दीपक दिखाने के समान होगा। साध्वी सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी, तरुणशीलाजी, समृद्धिश्रीजी ने भी आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके गुणगान करते हुए महान आगमज्ञ, अनेक विशेषताओं का गुणों का गुलदस्ता, रत्नत्रय की त्रिवेणी बताया। साथ में ज्ञान पंचमी पर्व पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का संचालन शालिभद्रमुनिजी एवं समिति के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने किया। अंत में उप प्रवर्तक श्री नरेश मुनि जी म सा ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया।

कांदिवली की बहुमंजिला इमारत में आग लगी, आठ लोगों को बचाया गया, तीन आईसीयू में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के कांदिवली पश्चिम क्षेत्र में रविवार को एक बहुमंजिला इमारत के फ्लैट में आग लगने के बाद आठ लोगों को बचा लिया गया, जिनमें से तीन को धुएं के कारण दम घुटने के बाद आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

शंकर लेन स्थित 16 मंजिला इमारत अग्रवाल रेजीडेंसी की दूसरी मंजिल के एक कमरे में सुबह करीब 7.45 बजे आग लग गई।

अधिकारी ने बताया कि आग फ्लैट के हॉल में बिजली के तारों, उपकरणों और लकड़ी के फर्नीचर तक ही सीमित थी और आग को सुबह 8.05 बजे तक बुझा दिया गया था। दमकल कर्मियों ने इमारत से आठ निवासियों को बचाया, जिनमें दो वयस्क पुरुष, तीन वयस्क महिलाएं और तीन बच्चे शामिल थे। उन्होंने बताया, इनमें से चिंतन अभय कोठारी (45), ख्याति चिंतन कोठारी (42) और ज्योति अभय कोठारी (66) का धुएं के कारण दम घुटने लगा और उन्हें मलाड पश्चिम के तुंगा अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है।

अधिकारी ने बताया कि पांच अन्य लोगों की पहचान पार्थ कोठारी (39), रिद्धि पार्थ कोठारी (36), अयारा पार्थ कोठारी (6), प्रांज पार्थ कोठारी (3) और महावीर चिंतन कोठारी (7) के रूप में हुई है, जिनका धुएं के कारण दम घुटने के कारण इलाज किया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई। अधिकारी ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एचएमटी ग्राउंड पर मना रही है छठ पूजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर की सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद इस वर्ष भी छठ महापर्व आरटीनगर स्थित एचएमटी ग्राउंड पर मना रही है। पूजा के अध्यक्ष हीरा झा ने बतलाया कि सूर्य उपासना के व्रत महापर्व छठ के दूसरे दिन रविवार को खरना के तहत व्रतधारियों ने छठी मैया एवं अस्ताचल सूर्य की विधिवत पूजा करने के बाद केले के पत्ते पर प्रसाद का भोग लगाया। इसमें गेहूं के आटे से बनी हुई रोटी, खीर एवं पका हुआ केला मुख्य रूप से चढ़ाया गया।

इस पूजा में उपासना की प्रधानता है। जिस प्रकार भगवान सूर्य सबके लिए एक समान अपना प्रकाश देते हैं, उसी प्रकार यह पर्व भी सबके लिए एक समान है। सभी वर्गों के लोग मिलकर एक जगह एकत्रित होकर मनाते हैं। यह सद्भावना एवं भाईचारे का त्यौहार भी है। मूल रूप से इसमें प्रकृति की पूजा की जाती है। सूर्य भगवान की उपासना से आरोग्यता धन-धन की वृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। परिषद के सचिव पंडित राजगुरु ने सभी श्रद्धालुओं को छठ पूजा में शामिल होने का न्यौता दिया।

मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बना : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य समर्थित प्रोत्साहन योजनाओं के कारण पैदावार में हुई वृद्धि के कारण मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बन गया है।

मध्य प्रदेश सरकार के बयान के अनुसार, किसानों ने उत्साहपूर्वक नकदी फसल उत्पादन को अपनाया है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और घरेलू खाद्य आवश्यकताओं को पूरा किया है। यादव ने शनिवार को कहा, ''मध्यप्रदेश देश में टमाटर उत्पादन में नंबर एक है।'' प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत, टमाटर की खेती पर आधारित लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यादव ने कहा कि सरकार टमाटर के बीज पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह सब्सिडी किसानों को बड़ा सहारा दे रही है। इस योजना का लाभ उठाकर, हमारे किसान भाई आत्मनिर्भर बन रहे हैं और समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं।''

जैन कॉन्फ्रेंस के कर्नाटक युवा सदस्यों ने निशुल्क बांटे कम्बल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक युवा शाखा द्वारा गुरुदेव गणेशीलालजीकी 146वीं जयंती एवं मानव सेवा योजना के तहत बाबूलाल, अशोककुमार, पवनकुमार रांका परिवार के सहयोग से कर्नाटक के बेंगलूरु, मैसूर, दोड्डबल्लापुर, कलबुर्गी, बाणावर, बेल्लारी, रायचूर, शिव्वमोग्गा, चिकबलापुर, रामनगर में जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कुल 1008 कंबलों का वितरण किया गया। मानव सेवा प्रोजेक्ट चेयरमैन संजय कोचर एवं को-चेयरमैन धीरज बाफना, सुनील लोढ़ा का विशेष सहयोग रहा। युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली ने संस्था की योजनाओं की जानकारी दी। युवा महामंत्री किशोर बाफना ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर युवा शाखा के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नशे में वाहन चलाने वाले 'आतंकवादी' की तरह : हैदराबाद के पुलिस आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में बस में आग लगने की घटना की पृष्ठभूमि में रविवार को टिप्पणी की कि नशे में वाहन चलाने वाले ''आतंकवादी'' की तरह हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि शहर में नशे में वाहन चलाते पकड़े जाने वालों को कानून की सख्ती का सामना करना पड़ेगा तथा निर्दोष लोगों की जान को खतरे में डालने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

आंध्र प्रदेश पुलिस ने रविवार को पुष्टि की कि गत शुक्रवार देर रात बस में कुरनूल में आग लगने की घटना से जुड़े दो बाइक सवार व्यक्ति नशे में थे। इस हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई थी। सज्जनार ने बस में आग लगने की घटना का संदर्भ देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''नशे में वाहन चलाने वाले आतंकवादी होते हैं और उनकी हरकतें हमारी सड़कों पर आतंक से कम नहीं हैं। कुरनूल की भयावह बस दुर्घटना सही मायनों में दुर्घटना नहीं थी। यह रोका जा सकने वाला नरसंहार था। यह नशे में धुत बाइक सवार के लापरवाह और गैरजिम्मेदाराना व्यवहार के कारण हुआ।'' पुलिस आयुक्त ने कहा, ''यह कोई सड़क दुर्घटना नहीं थी, बल्कि लापरवाही का एक आपराधिक कृत्य था, जिसने कुछ ही सेकंड में कई परिवारों को खत्म कर दिया।''

उन्होंने कहा, ''बाइक सवार की पहचान बी शिव शंकर के रूप में हुई है और वह शराब के नशे में था। सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट हुआ है कि वह रात 2.24 बजे अपनी मोटरसाइकिल में ईंधन भरवाते देखा गया, उसके कुछ मिनट बाद ही उसने रात 2.39 बजे नियंत्रण खो दिया और टक्कर हो गई। नशे में गाड़ी चलाने के उसके फैसले ने एक क्षण को अकल्पनीय त्रासदी में बदल दिया।''

सज्जनार ने दोहराया, ''मैं अपने इस कथन पर दृढ़ता से कायम हूं कि नशे में वाहन चलाने वाले हर मायने में आतंकवादी हैं। वे जीवन, परिवार और भविष्य को नष्ट करते हैं, और ऐसे कृत्यों को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।''

कैनवा की भारत को अपना शीर्ष बाजार बनाने की योजना: भारत प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख ग्राफिक डिजाइन मंच कैनवा इंडिया की प्रमुख चंद्रिका देब ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर कैनवा का चौथा-बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाज़ार है। देब ने कहा कि कैनवा को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत उसका शीर्ष बाजार बन जाएगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) और प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए एक शक्ति-केंद्र के रूप में उभरा है, जिसकी बुनियाद डिजिटल-प्रथम, युवा आबादी, आकर्षक बाज़ार आकार, तथा तेजी से बढ़ती इंटरनेट व डेटा अधोसंरचना पर टिकी है। कैनवा इंडिया की कंट्री प्रबंधक देब ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''कैनवा आज दुनिया का सबसे बड़ा डिजाइन मंच है और भारत हमारी उन मुख्य बाजारों में से एक है, जो कंपनी की वृद्धि को गति दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीयों ने अब तक कैनवा पर 2.8 अरब से अधिक डिजाइन बनाए हैं, जिनमें से प्रतिदिन लगभग 25 लाख नए डिजाइन तैयार होते हैं। देब ने बताया, ''भारत कैनवा के लिए चौथे सबसे बड़ा बाजार हैं (उपयोगकर्ता आधार के हिसाब से)। हम लगातार सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक रहे हैं। पिछले दो-तीन वर्षों में हमारी वृद्धि दोहरे अंक की दर से हुई है।''

अरब सागर में दबाव क्षेत्र के कारण गुजरात में बेमौसम बारिश

अहमदाबाद/भाषा। पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर बने दबाव क्षेत्र के कारण रविवार को गुजरात के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश हुई। मौसम विभाग के अधिकारियों ने राज्य में अगले चार दिन तक बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि दबाव क्षेत्र के कारण दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र क्षेत्र में पिछले 34 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई, जिसमें नवसारी में 157 मिलीमीटर वर्षा भी शामिल है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दबाव क्षेत्र शुरुआत में दक्षिण-पश्चिम दिशा में और फिर अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा में पूर्व-मध्य अरब सागर की ओर बढ़ेगा। विज्ञप्ति के मुताबिक, अगले चार दिन तक गुजरात के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा कि इस दौरान नवसारी, वलसाड, अमरेली, जूनागढ़, भावनगर और गिर सोमनाथ जैसे जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, नवसारी जिले के नवसारी तालुका में पिछले 34 घंटों (शनिवार सुबह छह बजे से रविवार शाम चार बजे तक) के दौरान 157 मिलीमीटर बारिश हुई, जो राज्य में सबसे अधिक थी।

आंकड़ों के मुताबिक, संबंधित अवधि में गिर सोमनाथ के सूत्रपाड़ा तालुका में 128 मिलीमीटर, वलसाड के उमरगाम में 96 मिलीमीटर, नवसारी के खेरगाम में 85 मिलीमीटर, गिर सोमनाथ के वेरावल में 79 मिलीमीटर, डांग के अहवा में 71 मिलीमीटर, नवसारी के जलालपोर में 69 मिलीमीटर और वलसाड के वलसाड तालुका में 56 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

संत नामदेव का जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि 14वीं सदी में भक्ति आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मराठी कवि एवं संत संत नामदेव का जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक है।

सैनी ने कहा कि संत नामदेव ने भेदभाव, अस्पृश्यता और असमानता को समाप्त करके समाज को एकजुट करने का काम किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत संत नामदेव को समर्पित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह हरियाणा सरकार की पहल है जिसका उद्देश्य संतों और महापुरुषों की शिक्षाओं का प्रसार करना है। सैनी ने कहा, ''समुदाय के अनुरोध पर, राज्य में एक सरकारी संस्थान का नाम संत नामदेव जी महाराज के नाम पर रखा जाएगा।

उन्होंने समुदाय द्वारा प्रबंधित विभिन्न धर्मशालाओं के रखरखाव और सौर पैनल लगाने के लिए 51 लाख रुपए के अनुदान की भी घोषणा की। सैनी ने कहा कि यदि समुदाय भिवानी, पानीपत और नारनौल में भूखंडों के लिए आवेदन करता है, तो मानदंडों के अनुसार भूमि आवंटित की जाएगी। सैनी ने कहा कि संत नामदेव ने प्रत्येक व्यक्ति में दिव्यता देखी और जातिवाद, छुआछूत और असमानता जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने कहा कि सच्चा धर्म मानवता को जोड़ता है और दूसरों के प्रति करुणा सिखाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि संत नामदेव का परिश्रम, समर्पण और ईमानदारी का संदेश हरियाणा के सामाजिक ताने-बाने में गहराई से समाया हुआ है, क्योंकि राज्य का मजदूर वर्ग अपनी लगन और मेहनत से उनकी भावना को आत्मसात करते हैं।

सैनी ने कहा, संतों व महापुरुषों की शिक्षाओं से प्रेरित होकर, राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण व उत्थान के लिए समर्पित है। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य सबसे गरीब व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना व सुनिश्चित करना है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।''

गिग और स्थायी कर्मचारियों के बीच वेतन अंतर बरकार: रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। त्योहारी सीजन में नियुक्तियों में तेजी के बावजूद गिग (आमतौर पर ऑनलाइन डिलिवरी करने वाले अस्थायी कर्मी) और स्थायी कर्मचारियों के बीच वेतन समानता का मुद्दा अभी भी अनसुलझा है। 47 प्रतिशत पेशेवरों का मानना है कि गिग कर्मचारियों को उनके स्थायी समकक्षों की तुलना में कम भुगतान मिलता है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, जब पेशेवरों से पूछा गया कि समान भूमिका में गिग या फ्रीलांस तौर पर काम करने वाले कर्मचारियों का प्रति घंटे वेतन स्थायी कर्मचारियों से कितना कम है, तो 11 प्रतिशत ने कहा कि यह 10 प्रतिशत तक कम है, 23 प्रतिशत ने कहा कि 10-25 प्रतिशत कम है और 13 प्रतिशत ने माना कि यह अंतर 25 प्रतिशत से अधिक है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि लगभग आधे कार्यबल यानी 47 प्रतिशत लोग मानते हैं कि गिग कर्मचारियों को उनके स्थायी समकक्षों की तुलना में कम वेतन मिलता है।

कार्यबल स्टाफिंग सेवाओं और मानव संसाधन समाधान प्रदाता द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट एक-30 सितंबर, 2025 के दौरान विभिन्न उद्योगों के 1,550 पेशेवरों के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। जीनियस एचआरटेक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आर पी यादव ने कहा, ''त्योहारों की अर्थव्यवस्था गिग कर्मचारियों की मेहनत और योगदान पर निर्भर है, लेकिन हमारे आंकड़े बताते हैं कि वे अभी भी असमान शर्तों पर काम कर रहे हैं। 'समान काम के लिए समान वेतन' का नियम केवल स्थायी कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए।''

केंद्रीय बैंक के रुख, भू-राजनीतिक कारणों से सोने में उथल-पुथल की आशंका: विश्लेषक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अगले हफ्ते घरेलू बाजार में सोने की कीमतें कुछ हद तक स्थिर रह सकती हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि निवेशक प्रमुख केंद्रीय बैंकों की बैठकों और वैश्विक व्यापार घटनाओं पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति और फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बयान पर खास नजर रखेंगे।

जेएम फाइनेंशियल के उपाध्यक्ष प्रणव मेर के अनुसार, ''हाल ही में सोने की कीमतें दस हफ्तों में पहली बार गिर गईं। इसका कारण निवेशकों के मुनाफा वसूली, भारत और चीन में कमजोर मांग तथा मजबूत अमेरिकी डॉलर है।'' उन्होंने कहा कि भारत में खरीदार कीमतें और गिरने की उम्मीद में कम खरीद रहे हैं, जबकि चीन और सिंगापुर में कम कीमतों ने खरीदारी बढ़ा दी। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव में 3,557 रुपए की गिरावट आई। एंजेल वन के प्रथमेश माल्या ने कहा, ''सोने में यह गिरावट निवेशकों के मुनाफा वसूली करने और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में सुधार के संकेतों के कारण आई।''

एमकेए ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की शोध विश्लेषक रिया सिंह ने कहा, ''इस सप्ताह सोने में एक दशक में सबसे तेज छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई। यह मुख्य रूप से तकनीकी कारणों से हुई, क्योंकि कीमतें 4,300 डॉलर प्रति औंस के ऊपर टिक नहीं पाईं।''

एलआईसी ने नहीं, अमेरिका बीमा फर्मों ने किया है अदाणी की कंपनियों में सबसे ज्यादा निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का निवेश भले ही सुर्खियों में हो, लेकिन हालिया आंकड़े बताते हैं कि अरबपति गौतम अदाणी द्वारा नियंत्रित इकाइयों में कुछ सबसे बड़े निवेश सरकारी बीमा कंपनी से नहीं, बल्कि प्रमुख अमेरिकी और वैश्विक बीमा कंपनियों से आए हैं।

जून, 2025 में, अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा 57 करोड़ अमेरिकी डॉलर (5,000 करोड़ रुपए) के निवेश के एक महीने बाद, अमेरिका स्थित एथेन इंश्योरेंस ने अदाणी के मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में 6,650 करोड़ रुपए (75 करोड़ डॉलर) के ऋण निवेश का नेतृत्व किया, जिसमें कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनियां शामिल हुईं।

एथेन की मूल कंपनी – अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट – ने 23 जून को एक बयान में कहा कि उसके प्रबंधित फंड, सहयोगी और अन्य दीर्घकालिक निवेशकों ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (मायल) के लिए 75 करोड़ डॉलर का 'निवेश ग्रेड रेटेड वित्तपोषण' पूरा कर लिया है। यह अपोलो द्वारा मायल के लिए दूसरा बड़ा वित्तपोषण था। अन्य कोष जुटाने में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा डीबीएस बैंक, डीजेड बैंक, राबोबैंक और बैंक सिनोपैक कंपनी लिमिटेड सहित वैश्विक ऋणदाताओं के एक समूह से लगभग 25 करोड़ डॉलर जुटाना शामिल था। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की अगस्त की एक रिपोर्ट के अनुसार, समूह ने वर्ष की पहली छमाही में बंदरगाह इकाई (एपीएसईजेड), नवीकरणीय ऊर्जा इकाई (एजीईएल), प्रमुख कंपनी (अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड) और बिजली पारेषण इकाई (अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड) में कुल मिलाकर 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की नई ऋण सुविधाओं पर हस्ताक्षर किए।

'वॉशिंगटन पोस्ट' की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वैश्विक निवेशकों की हिचकिचाहट के बीच सरकारी अधिकारियों ने एलआईसी के निवेश निर्णयों को प्रभावित किया। इससे अदाणी समूह में एलआईसी का निवेश सुर्खियों में आ गया। शनिवार को, एलआईसी ने इस रिपोर्ट को 'झूठा, निराधार और सच्चाई से कोसों दूर' बताया और कहा कि अदाणी समूह की कंपनियों में उसका निवेश स्वतंत्र रूप से और विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद उसके निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार किया गया था। भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में, बुनियादी बातों और विस्तृत जांच-पड़ताल के आधार पर विभिन्न कंपनियों में निवेश के फैसले लिए हैं। भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इसका निवेश मूल्य 2014 से 10 गुना बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपए से 15.6 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो मजबूत कोष प्रबंधन को दर्शाता है। अदाणी समूह में इसका निवेश समूह के कुल 2.6 लाख रुपए करोड़ के कर्ज के दो प्रतिशत से भी कम है।

पालघर में मंदिर अपवित्र करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मंदिर को अपवित्र करने के आरोप में 29 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी सागर सुरेश पाटिल दहिसर गांव, मनोर का निवासी है और उसे 16 अक्टूबर को उमरोली में भगवान शिव के एक मंदिर को अपवित्र करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, मंदिर परिसर के अंदर चिकन के छोटे-छोटे टुकड़े फेंके गए थे, जो जानबूझकर किया गया कृत्य था, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान, आरोपी ने स्वीकार किया कि वह एक ऑनलाइन जुए के खेल में 5 लाख रुपए हारने के बाद निराश था और इस बात से नाराज था कि भगवान ने वित्तीय नुकसान से उबरने में उसकी मदद नहीं की। अधिकारी ने बताया कि पाटिल ने कथित तौर पर बोईसर से चिकन खरीदा और उसके टुकड़े मंदिर के अंदर फेंक दिए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी को हिरासत में भेज दिया गया है।

भाजपा-अन्नाद्रमुक एसआईआर से चुनाव जीतना चाहते हैं, लेकिन सफल नहीं होंगे : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य का विपक्षी भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन लोगों के मतदान के अधिकार ''छीनकर'' और एसआईआर के जरिये चुनाव जीतने की कोशिश कर रहा है। स्टालिन का बयान ऐसे समय आया है जब निर्वाचन आयोग ने अगले सप्ताह से तमिलनाडु में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने की घोषणा की है।

राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में निर्वाचन आयोग की उस घोषणा की ओर ध्यान दिलाया कि अगले महीने से तमिलनाडु में एसआईआर लागू किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बिहार में निर्वाचन आयोग की इस कवायद से उत्पन्न विवाद का भी जिक्र किया, जिसमें उनके मुताबिक 65 लाख लोगों ने अपना मताधिकार खो दिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि गठबंधन) और उसका प्रमुख घटक द्रमुक चेतावनी दे रहा है कि चुनावी लाभ के लिए तमिलनाडु में भी एसआईआर का इस्तेमाल किया जाएगा।

स्टालिन ने कहा, ''भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और उसकी सहयोगी अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) का आकलन है कि वे एसआईआर के माध्यम से श्रमिक वर्ग के लोगों, अनुसूचित जातियों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के नाम हटाकर (2026 के विधानसभा चुनाव) जीत सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जिन लोगों में चुनावी मैदान में लोगों का सामना करने की ताकत नहीं है और जो यह सोच रहे हैं कि वे लोगों के मताधिकार छीनकर जीत सकते हैं – जहां तक तमिलनाडु का सवाल है, यह केवल एक गलत आकलन ही साबित होगा।''

स्टालिन ने कहा कि द्रमुक एसआईआर का विरोध कर रही है और मतदाता सूची के संबंध में पर्याप्त समय देकर अन्य लोकतांत्रिक उपायों का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा, ''द्रमुक कानूनी रूप से किसी भी अन्य अलोकतांत्रिक कदम का सामना करने में सक्षम है और लोगों के साथ मिलकर उनका मुकाबला करेगी।'' अन्नाद्रमुक प्रमुख और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एडप्पादी के पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि वह राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री लोगों की मदद करने या कुछ भी रचनात्मक करने के लिए उत्सुक नहीं थे। धान खरीद को लेकर सरकार पर उनके ''आरोप झूठे'' साबित हो गए हैं।

तमिलनाडु की तरफ बढ़ रहा चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का खतरा

उत्तरी तटीय क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र धीरे-धीरे तेज हो रहा है और सोमवार सुबह तक इसके चक्रवाती तूफान 'मोंथा' में तब्दील होने की आशंका है। रविवार को भारत मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी इस चेतावनी के बाद तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक इस चक्रवाती तूफान की गति अब उत्तर-पश्चिम की तरफ है और यह लगभग 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। अगले दो दिनों में इसके कारण तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय जिलों में भारी बारिश और तेज हवा होने की संभावना है। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र रविवार सुबह 5.30 बजे चेन्नई से लगभग 800 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था।

आईएमडी का अनुमान है कि यह दबाव सोमवार सुबह तक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य हिस्से में एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिस्टम उत्तर-उत्तर-पश्चिम की दिशा में बढ़ता रहेगा और सोमवार रात या मंगलवार सुबह तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान बन सकता है। यह तूफान मंगलवार शाम या रात तक आंध्र प्रदेश के तट से काकीनाडा के पास, मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच होकर गुजर सकता है।

तूफान के दौरान हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। आंध्र और उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। जो मछुआरे पहले से ही समुद्र में हैं, उन्हें उफनती लहरों और तेज हवाओं के खतरे के कारण तुरंत तट पर लौटने की सलाह दी गई है। इस सिस्टम के कारण रविवार को तिरुवल्लुर, चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, विल्लुपुरम, रानीपेट जिलों और पुडुचेरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

विभाग ने कहा, इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक 'चक्रवाती तूफान' में तब्दील होने की संभावना है। इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 28 अक्टूबर तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। आरएमसी ने कहा कि दबाव के क्षेत्र को देखते हुए अगले 24 घंटों में तिरुवल्लूर, चेन्नई, रानीपेट, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम और पुदुचेरी में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में एक-दो स्थानों पर बिजली चमकने एवं गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों में तिरुनेलवेली के नालुमुक्कू में सबसे ज्यादा 13 सेंटीमीटर और ओथु में 12 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। चेन्नई के नेरकुंड्रम में सबसे कम एक सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे 26 से 28 अक्टूबर के बीच समुद्र में न जाएं और जो मछुआरे गहरे समुद्र में हैं, उन्हें तुरंत तट पर लौटने की सलाह दी गई है। बुलेटिन में चेन्नई और उसके आसपास के जिलों के लिए कहा गया है कि कुछ इलाकों में बिजली चमकने और गरज के साथ मध्यम-भारी बारिश होने की संभावना है।

'देव जयंती' को विद्यार्थी उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दिव्य पुत्र पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर का जन्मदिन उत्सव, थेवर जयंती, 30 अक्टूबर को स्कूलों और कॉलेजों में छात्र उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। इस महान विचार के साथ कि राष्ट्रीयता मेरा शरीर है, देवत्व मेरा जीवन है, हमें स्वर्गीय पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर को छात्रों के समक्ष ले जाना चाहिए, जो राष्ट्रीय एकता, अखंडता और व्यक्तिगत नैतिकता के प्रतीक के रूप में जिए और मरे।

विद्यार्थियों की सोच में सुधार लाने के लिए इसे विद्यार्थी अनुशासन, एकता एवं एकजुटता दिवस के रूप में घोषित किया जाना चाहिए तथा इसे विद्यार्थी समुदाय के मार्गदर्शन दिवस के रूप में मनाने के लिए तम्बाकू एवं शराब के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। आज, ऐसे माहौल में जहां तंबाकू, नशीले पदार्थ और सोशल मीडिया पोर्नोग्राफी हमारी सभ्यता, संस्कृति और परंपरा को बर्बाद कर रहे हैं, हमें आज के छात्र समुदाय को उनकी पकड़ से मुक्त करने और इसे ऐसे रूप में बदलने की जरूरत है जो हमारे घर और देश के लिए गौरव की बात हो।

तमिलनाडु के विद्यार्थी समुदाय को उन नेताओं के जीवन के बारे में सीखकर प्रबुद्ध और ज्ञानवान बनना चाहिए, जो जीवित रहे और दिवंगत हुए, ताकि वे भारत और विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकें। सरकार को विद्यार्थियों तक महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर और दिव्य पुत्र पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर जैसे सभी नेताओं के बलिदान, जीवन शैली और विचारों को पहुंचाने के लिए गंभीर प्रयास करना चाहिए, जिन्होंने राष्ट्र के कल्याण के लिए सोचा और कार्य किया। पसुम्पोन मुथुरामलिंगथ थेवर उत्कृष्ट गुणों वाले एक विचारक थे, जो व्यक्तिगत नैतिकता और मानवता में सभी के लिए एक उदाहरण थे। प्रत्येक छात्र को तिरुवल्लुवर की इस उक्ति का पालन करना चाहिए, अनुशासन ही वह जीवन है जो जीने योग्य है। चूँकि अनुशासन व्यक्ति को गरिमा और उत्कृष्टता प्रदान करता है, इसलिए इसे जीवन से भी अधिक संजोया और संरक्षित किया जाना चाहिए।

इस पर जोर देते हुए, और छात्र समुदाय को आगे बढ़ाने के लिए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर के जन्मदिन को 'अनुशासन, एकता और अखंडता दिवस' के रूप में घोषित करने के लिए कदम उठाना चाहिए और इसे स्कूलों और कॉलेजों में मनाने का आदेश जारी करना चाहिए।

मुख्यमंत्री स्टालिन पूर्णकालिक फिल्म समीक्षक बन गए हैं : पलानीस्वामी

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव और तमिलनाडु में विपक्ष के नेता ए के पलानीस्वामी ने रविवार को मानसून से संबंधित मुद्दों से निपटने के सरकार के तरीके को लेकर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री पर पूर्णकालिक फिल्म ''समीक्षक'' बनने का आरोप लगाया। पलानीस्वामी भारी मानसूनी बारिश के कारण राज्य में फसलों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाते रहे हैं।

उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हाल ही में जब उन्होंने धान की फसल अपने हाथों में ली, तो उन्हें किसानों का दर्द महसूस हुआ, जिसे बयां करना संभव नहीं है। पलानीस्वामी ने स्टालिन के हाल ही में तमिल फिल्म 'बाइसन' देखने और इसके निर्देशक तथा टीम को बधाई देने का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''लेकिन जिन हाथों को इस धान को थामने की जरूरत है, वे फिल्मी कलाकारों का हाथ थम रहे हैं।'' हालांकि, पलानीस्वामी ने कहा कि ''फिल्म देखने या प्रतिभाशाली फिल्म कलाकारों की प्रशंसा करने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन, यह भूलकर कि वह मुख्यमंत्री क्यों बने, 'कठपुतली मुख्यमंत्री' पूर्णकालिक फिल्म समीक्षक बन गए हैं और यह चिंता का विषय है।'' उन्होंने कहा कि स्टालिन कुछ समय पहले सफाई कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन के दौरान रजनीकांत अभिनीत फिल्म 'कुली' देख रहे थे।

राज्यों को अपनी अलग पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करने की अनुमति देता है एनईपी : केरल के शिक्षा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने रविवार को दावा किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि स्कूल की पाठ्यपुस्तकें तैयार करने का अधिकार राज्यों के पास है और इसलिए इस संबंध में कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। राज्य के हाल ही में 'पीएम श्री' योजना में शामिल होने की घोषणा को लेकर उठे विवाद के बीच, मंत्री ने सामान्य शिक्षा विभाग के इस कदम को उचित ठहराया और कहा कि एनईपी में कई चीजें केरल द्वारा पहले ही लागू की जा चुकी हैं। शिवनकुट्टी ने यहां संवाददाताओं से कहा, हस्ताक्षरित सहमति पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हम किसी भी समय समझौते से हट सकते हैं। ऐसा दोनों पक्षों द्वारा विचार-विमर्श करने और आम सहमति पर पहुंचने के बाद ही किया जाना चाहिए। अगर हम आम सहमति पर नहीं पहुंच पाते हैं, तो हमारे पास अदालत का दरवाजा खटखटाने का भी विकल्प है।

मंत्री ने कहा कि केरल किसी भी कीमत पर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की दीर्घकालिक शिक्षा नीति से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता के. सुरेन्द्रन का यह बयान कि राज्य में स्कूली पाठ्यपुस्तकों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेताओं के बारे में पढ़ाया जाएगा, उनका सपना ही रह जाएगा। शिवनकुट्टी ने कहा, ''स्कूल की पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करने का अधिकार राज्यों के पास है, इसलिए इस संबंध में किसी चिंता की आवश्यकता नहीं है।'' उन्होंने ने कहा कि यह ऐसा मामला है जो राज्य के 47 लाख छात्रों को प्रभावित करता है और सरकार की एकमात्र प्राथमिकता गरीब और हाशिए पर मौजूद समुदायों के छात्रों के लिए केंद्रीय निधि को खोना नहीं है।

इस बीच, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक वी डी सतीशन ने कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने 10 अक्टूबर को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। उन्होंने कोच्चि में संवाददाताओं से कहा, ''पीएम श्री समझौते पर 16 अक्टूबर को हस्ताक्षर हुए थे। मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में क्या हुआ था। किस तरह का सौदा हुआ था? किसने मुख्यमंत्री को ब्लैकमेल किया?''

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जब 22 अक्टूबर को मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान सरकार की सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने इसका विरोध किया तो मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री दोनों चुप रहे। सतीशन ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने साथी मंत्रियों को भी ''धोखा' दिया।

दीपोत्सव कार्यक्रम में 'नफरती भाषण' को लेकर आरएसएस नेता के खिलाफ मामला दर्ज

मंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक नेता और उप्पलिगे में हुए दीपोत्सव कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ मंगलूरु के एक निवासी की शिकायत के बाद एक मामला दर्ज किया गया है। पुत्तूर ग्रामीण पुलिस द्वारा रविवार को जारी एक बयान के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि काहले न्यूज' यूट्यूब चैनल पर प्रसारित कल्डका प्रभाकर भट्ट के भाषण ने धर्म के आधार पर नफरत फैलाई, महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाई और शांति व्यवस्था को जोखिम में डाला।'' यह कार्यक्रम 20 अक्टूबर को आयोजित किया गया था। बयान के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया कि भट्ट ने हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कीं और मतदाताओं की संख्या का उल्लेख किया।

जागरूकता — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के आईलैंड ग्राउन्ड्स में 26 अक्टूबर को कैन-स्टॉप और रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3234 द्वारा आयोजित 'स्तन कैंसर जागरूकता वॉकथॉन – वन वॉक वन होप' आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का शुभारंभ तमिलनाडु सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, थिरु मा. सुब्रमण्यम ने किया। भारतीय अभिनेत्री सुश्री संचिता शेट्टी विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में रतन शामिल थे। विनोद सरावगी (जिला गवर्नर, आरआईडी 3234), डीजीई सुरेश डी. जैन, आईपीडीजी एन. एस. सरवनन, पीडीजी जे. श्रीधर, पीडीजी जे. बी. कामदार, और कैन-स्टॉप की संस्थापक और ट्रस्टी एवं डायरेक्टपोस्ट इवेंट डीजीएन डॉ. विजया भारती रंगराजन आदि उपस्थित थे।

सबरीमला सोना चोरी : कर्नाटक, तमिलनाडु में तलाशी के बाद एसआईटी पोट्टी को लेकर केरल लौटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा (केरल)/भाषा। सबरीमला मंदिर से कथित तौर पर सोना गायब होने के मामले की जांच कर रही एसआईटी मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी की मौजूदगी में कर्नाटक और तमिलनाडु में साक्ष्य जुटाने का काम पूरा करने के बाद रविवार को केरल लौट आई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि साक्ष्य जुटाने के तहत पोट्टी को कर्नाटक के बेल्लारी, बेंगलूरु और तमिलनाडु के चेन्नई ले जाया गया। पोट्टी के साथ टीम रविवार शाम तिरुवनंतपुरम स्थित अपराध शाखा कार्यालय लौट आई।

शुक्रवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गोवर्धन के स्वामित्व वाली आभूषण की दुकान की तलाशी ली जिसने कथित तौर पर मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के चौखट पर सोने की परत चढ़ाने के काम के लिए धन मुहैया कराया था जिसे आधिकारिक तौर पर पोट्टी ने प्रायोजित किया था। इसके बाद, बेंगलूरु के श्रीरामपुरा स्थित पोट्टी के आवास और चेन्नई स्थित स्मार्ट क्रिएशन कार्यालय में तलाशी ली गई, जहां 2019 में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने की परत चढ़ी तांबे की प्लेटों पर इलेक्ट्रोप्लेटिंग की गई थी। इससे पहले रन्नी स्थित न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट अदालत ने एसआईटी को 30 अक्टूबर तक पोट्टी की हिरासत में भेज दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान जब्त की गई वस्तुओं को जल्द अदालत में पेश किया जाएगा।

इस बीच अदालत ने पुलिस को सबरीमला के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू को 28 अक्टूबर को पेश करने का निर्देश देते हुए एक वारंट जारी किया है। बाबू को पिछले हफ्ते एसआईटी ने गिरफ्तार किया था और एसआईटी द्वारा उनकी हिरासत के लिए याचिका दायर करने के बाद वारंट जारी किया गया था।

इसी तरह केरल उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. टी. शंकरन ने केरल उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सोने सहित सभी कीमती वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए रविवार को अरनमुला स्थित सबरीमला मंदिर के मुख्य भंडारगृह की जांच जारी रखी। यह जांच शनिवार को शुरू हुई थी।त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारियों के अनुसार अरनमुला स्थित मुख्य भंडारगृह में श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई सभी कीमती वस्तुएं रखी जाती हैं।

वीआईटीईईई 2026 के लिए आवेदन शुरू हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने वीआईटीईईई 2026 के लिए आवेदन लेने शुरू कर दिए हैं। छात्र वेल्लोर, चेन्नई, अमरावती और भोपाल परिसरों में वीआईटी के प्रमुख इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए वीआईटीईईई.वीआईटी.एसी.इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

वीआईटीईईई 2026 एक ही चरण में होगी। यह 28 अप्रैल से 3 मई, 2026 तक चलेगी। यह परीक्षा भारत के 134 शहरों और 9 अंतरराष्ट्रीय परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इससे छात्रों को अपने अध्ययन स्थान या मूल क्षेत्र के आधार पर स्थान चुनने की सुविधा मिलेगी।

संस्थान ने कहा कि वह विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, मजबूत उद्योग संबंधों और उत्कृष्ट प्लेसमेंट अवसरों के साथ इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए भारत के सबसे ज्यादा मांग वाले गंतव्यों में से एक बना हुआ है।

अलप्पुझा के विकास के लिए एम्स जरूरी : केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को कहा कि अलप्पुझा के पुनर्निर्माण और समग्र विकास के लिए वहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना होना आवश्यक है। उन्होंने अलप्पुझा को ऐसा जिला बताया, जिसे साम्यवादी विचारधाराओं ने पिछड़ेपन की कगार पर ला खड़ा किया है। मध्य जिले के पुत्तुरक्कारा में एक संवाद कार्यक्रम के दौरान गोपी ने कहा कि त्रिशूर के सांसद बनने से पहले से ही वह अलप्पुझा में एम्स की मांग उठाते रहे हैं। अपनी मांग पर अडिग रहते हुए उन्होंने कहा, ''मेरी केवल एक ही मांग है – एम्स अलप्पुझा में बने।''

मंत्री ने स्पष्ट किया कि न तो उन्होंने और न ही केंद्र सरकार ने त्रिशूर में एम्स स्थापित करने का कोई वादा किया था। एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा, ''एक सांसद होने के नाते त्रिशूर के लिए एम्स की मांग करना मेरा हक है। लेकिन अगर केंद्र कहता है कि राज्य में केवल एक ही एम्स बन सकता है, तो मुझे एक मलयाली के रूप में सोचना होगा। मेरी नजर में इडुक्की और अलप्पुझा की स्थिति सबसे खराब है।''

उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियों और जरूरतों को देखते हुए, इन दो जिलों में से एम्स अलप्पुझा में ही बनना चाहिए। गोपी ने कहा, 'अलप्पुझा एक ऐसा जिला है जिसे साम्यवाद ने बर्बाद कर दिया है। इसलिए वहां की बदहाल स्थिति में सुधार और समग्र विकास के लिए एम्स का निर्माण बेहद जरूरी है।' उन्होंने त्रिशूर के लोगों सहित सभी मलयालियों से इस मुद्दे पर समर्थन की अपील करते हुए कहा, इसमें न कोई क्षेत्रवाद है और न ही राजनीति।

बीदर में भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया

बीदर। कर्नाटक के बीदर जिले में रविवार की सुबह भूकंप का हलका झटका महसूस किया गया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 मापी गयी। राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) ने इसकी जानकारी दी। भूकंप का यह झटका सुबह 3.42 बजे महसूस किया गया। इसका केंद्र चिट्टगुप्पा तालुक के भास्करनगर गांव से 2.4 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। बयान में है, किसी नुकसान की सूचना नहीं है और निवासियों को घबराने की जरूरत नहीं है।

कोलकाता में 28 को होगी प्रवासी राजस्थानी मीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोलकाता के प्रवासी राजस्थानी समुदाय से प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 28 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता जायेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' का आयोजन किया जाएगा और प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसंबर 2025 को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रथम 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए आमंत्रित भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल प्रवासी राजस्थानियों, औद्योगिक समूहों, व्यवसायियों और उद्यमियों को राज्य के विकास में सक्रिय योगदान के लिए आमंत्रित करेगा। इस दौरान टेक्सटाइल एवं होजरी, केमिकल तथा खनिज जैसे विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में कार्यरत व्यावसायिक और औद्योगिक समूहों के प्रमुखों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी आयोजित होंगी। उल्लेखनीय है कि प्रवासी राजस्थानी मीट राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने, सहभागिता को सुदृढ़ बनाने, राजस्थान और उसके वैश्विक प्रवासी समुदाय के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने तथा राज्य की विकास यात्रा में उनकी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की कड़ी में यह तीसरा कार्यक्रम है जो कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले हैदराबाद और सूरत में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट्स के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को राज्य में नए अवसरों की संभावनाएं तलाशने के लिए प्रेरित किया था। इन कार्यक्रमों में उन्होंने प्रवासी राजस्थानी समुदाय के योगदान की सराहना करने के साथ ही राज्य के समावेशी एवं सतत विकास के लिए उन्हें पूरा सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की थी।

प्रवासी राजस्थानी मीट के प्रतिनिधिमण्डल में माननीय नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, ग्रामीण विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती श्रेया गुहा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता, राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ मनीषा अरोड़ा, ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के आयुक्त सुरेश कुमार ओला तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। यह मीट कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित की जा रही है, जो 'प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025' का इवेंट इंडस्ट्री पार्टनर है।

10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने जा रहा 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' राज्य सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य वैश्विक प्रवासी राजस्थानी समुदाय से जुड़ाव को सुदृढ़ बनाना है। प्रवासी समुदाय से संपर्क स्थापित करने के लिए उद्योग विभाग और राजस्थान फाउंडेशन को नोडल बनाया गया है।

यह आयोजन प्रवासी राजस्थानियों को एक साझा मंच पर लाता है, जहां प्रवासी समुदाय और राज्य सरकार के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए आयाम तलाशे जाते हैं और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत किया जाता है।

'हमारे त्यौहार श्रद्धा, अपनापन और परंपरा के संगम'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 127वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर हॉल में 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में दीपावली और आने वाली छठ पूजा का जिक्र करते हुए कहा कि देशभर के बाजारों में रौनक है। हर तरफ श्रद्धा, अपनापन और परंपरा का संगम दिख रहा है। छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के दौरान घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। यह दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जीएसटी बचत उत्सव को लेकर भी लोगों में बहुत उत्साह दिखा है। इस बार त्योहारों के दौरान बाजारों में स्वदेशी सामानों की खरीदारी बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे ग्रन्थों के अनुसार वृक्ष और वनस्पतियां धन्य हैं, जो किसी को भी निराश नहीं करते। हमें भी चाहिए, हम जिस भी इलाके में रहते हैं, पेड़ अवश्य लगाएं। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को हमें और आगे बढ़ाना है। उन्होंने अम्बिकापुर के गारबेज कैफे और बेंगलुरु के इंजीनियर कपिल शर्मा का जिक्र किया, जिन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण काम किया है।

मोदी ने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पूरे देश के लिए विशेष अवसर है। उनके विराट व्यक्तित्व में अनेक गुण एक साथ समाहित थे। सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता के लिए अद्वितीय प्रयास किए। प्रधानमंत्री ने आमजन से 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य पर देश-भर में आयोजित होने वाली रन फॉर यूनिटी में भाग लेने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र गीत 'वन्देमातरम' का शब्द हमारे हृदय में भावनाओं का उफान ला देता है। 'वन्देमातरम' शब्द में बहुत भाव और ऊर्जाएं हैं। ये हमें माँ-भारती के वात्सल्य का अनुभव कराता है। उन्होंने कहा कि आगामी 7 नवंबर को हम 'वन्देमातरम' के 150वें वर्ष के उत्सव में प्रवेश करने वाले हैं। इसे हमें यादगार बनाना है और आने वाली पीढ़ी के लिए इस संस्कार सरिता को आगे बढ़ाना है।

मोदी ने कहा कि भाषा किसी भी सभ्यता के मूल्यों और परंपराओं की वाहक होती है। संस्कृत ने यह कर्तव्य हजारों वर्षों तक निभाया है। लेकिन गुलामी के कालखंड और आजादी के बाद भी संस्कृत लगातार उपेक्षा का शिकार हुई। इस वजह से युवा-पीढ़ियों में संस्कृत के प्रति आकर्षण भी कम होता चला गया। उन्होंने कहा कि अब समय बदल रहा है। संस्कृति और सोशल मीडिया की दुनिया ने संस्कृत को नई प्राणवायु दे दी है। इन दिनों कई युवा संस्कृत को लेकर बहुत रोचक काम कर रहे हैं। 91 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, 1 लाख 55 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान चला रही है। इस अभियान में इस वर्ष अब तक 11 करोड़ 61 लाख से अधिक वृक्ष लगाए गए हैं। इन वृक्षों से प्रदेश में ग्रीन कवर के साथ ही जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आज का युवा नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनना चाहता है। यह सोच बदलाव की पहली सीढ़ी है। अब तक युवा उद्यमियों को 140 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने लगभग दो वर्षों के कार्यकाल में 91 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। वहीं 1 लाख 55 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, विधायक जितेन्द्र गोठवाल सहित बड़ी संख्या में आमजन एवं युवा उपस्थित रहे।

बिहार में एनडीए की जीत तय, विपक्ष में भ्रम की स्थिति : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार के परिणाम पहले से तय हैं। चुनाव की घोषणा से पहले ही यह स्पष्ट था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन प्रचंड बहुमत से विजय प्राप्त करेगा। बिहार की जनता इस बार भी विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में मतदान करेगी और एनडीए एक बार फिर पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगा। रविवार को अपने निवासी पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में शेखावत ने कहा कि देश की राजनीति का विश्लेषण करने वाले सभी जानकार इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि बिहार की जनता अभी भी माफिया राज, गुंडा राज और जंगल राज के दौर को भूली नहीं है। लोगों के दिलों में उस अराजक काल का दंश अब भी ताजा है। इसके विपरीत, पिछले वर्षों में बिहार की जनता ने सुशासन और विकास के दौर को अनुभव किया है। राज्य में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था में सुधार दिखा है।

शेखावत ने कहा कि बिहार की जनता पूरी तरह से सुशासन और विकास के साथ है। एनडीए के साथ है, मोदी जी के साथ है, नीतीश कुमार जी के साथ है, उपेंद्र कुशवाहा और जीतनराम मांझी के साथ है। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि महागठबंधन की स्थिति अत्यंत अव्यवस्थित है। जिस पार्टी के घटक दल भी उसे गंभीरता से नहीं लेते, जहां सीट बंटवारे और टिकट वितरण को लेकर सिरफुटव्वल मची हो, जहां एक ही गठबंधन के प्रत्याशी एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हों, ऐसी पार्टी अगर किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित भी करे तो उसका कोई राजनीतिक वजूद नहीं होता।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस और राजद के नेता भ्रम फैला रहे हैं, जबकि जनता सब जानती है। जब उनके पर्यवेक्षक पटना पहुंचते हैं तो 'टिकट चोर वापस जाओ' के नारे लगते हैं। ऐसे दल की घोषणाओं का न कोई महत्व है, न वजन। तेजस्वी यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार को बुजुर्ग बताते हुए कहा था कि बीजेपी ने उन्हें हाईजैक कर लिया है, पर शेखावत ने कहा कि यह हास्यास्पद है। नीतीश जी का अनुभव और एनडीए की एकजुटता ने बिहार को सुशासन और विकास का नया अध्याय दिया है। बिहार की जनता इसे भली-भांति जानती और समझती है।

अशोक गहलोत पर तीखा कटाक्षकांग्रेस नेता अशोक गहलोत के राजनीतिक जादू पर कटाक्ष करते हुए शेखावत ने कहा कि राजस्थान के जादूगर पहले गुजरात गए थे, वहां उनका जादू नहीं चला। अब बिहार जा रहे हैं, वहां भी नतीजे वही होंगे। गहलोत जी तीन बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन हर बार किसी और के चेहरे या रणनीति का इस्तेमाल करके। उन्हें बस इतना जादू आता है कि चुनाव के बाद जो चेहरा सामने होता है, उसे हटाकर खुद मुख्यमंत्री बन जाते हैं। बिहार में ऐसी कोई संभावना नहीं है।

सीकर-झुंझुनू राज्य राजमार्ग पर कार में आग, परिवार के छह सदस्य बाल-बाल बचे

जयपुर। सीकर-झुंझुनू राज्य राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात एक कार में अचानक आग लग गई। हालांकि, कार में सवार छह लोगों का परिवार इस हादसे में बाल-बाल बच गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक घटना रात करीब साढ़े 12 बजे हुई, जब कार में सवार लोगों ने गाड़ी के बोनट से चिंगारियां निकलती देखीं। कुछ ही पल में कार के आगे के हिस्से से आग की लपटें उठने लगीं। कार चालक विजय ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी रोक दी, जिसके बाद सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल आए। पुलिस ने बताया कि हरियाणा निवासी यह परिवार जयपुर की ओर जा रहा था। आग लगने के बाद लोगों ने मदद के लिए फोन किया और स्थानीय लोगों की सहायता से परिवार का सामान कार से बाहर निकाल लिया गया। दमकलकर्मी और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा आग पर काबू पाया।

गर्भवती महिला की संदिग्ध हालात में मौत, दहेज उत्पीड़न के आरोप

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में शुक्रवार रात एक गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसे पीट-पीटकर मार डाला। आरोपी जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बाबू (क्लर्क) के पद पर कार्यरत है। उसने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे पुराने टोंक थाना क्षेत्र में हुई। मृतका की पहचान मनीषा के रूप में हुई है, जिसकी शादी करीब छह महीने पहले कुलदीप नायक से हुई थी। सवाई माधोपुर जिले के मामडोली के निवासी महिला के भाई प्रह्लाद ने आरोप लगाया कि कुलदीप अक्सर दहेज की मांग करता था और पुलिस विभाग में अपने पद का दुरुपयोग कर परिवार को डराता-धमकाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि मांगें पूरी नहीं होने पर उसने मनीषा के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई।

कोटा में छात्रावास के कमरे में ओडिशा का नीट अभ्यर्थी मृत मिला

कोटा। ओडिशा का 24 वर्षीय नीट अभ्यर्थी कोटा के राजीव गांधी नगर स्थित छात्रावास के कमरे में शनिवार को मृत पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। छात्र की पहचान ओडिशा के गंजाम जिले के अभयपुर निवासी रोशन कुमार पात्रो (24) के रूप में हुई है और वह राजीव गांधी नगर स्थित एक छात्रावास में रहकर एक कोचिंग संस्थान में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहा था। जवाहर नगर थाने के क्षेत्र निरीक्षक रामलक्ष्मण ने बताया कि रोशन शनिवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिला। उन्होंने बताया कि वह अपने बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ा हुआ था और उसे उल्टियां भी हुई थीं। अधिकारी ने बताया कि रोशन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जयपुर के दुर्लभजी हॉस्पिटल में हंगामा : बिल नहीं चुकाने पर रोका शव, मंत्री किरोड़ीलाल ने सरकार की मॉनिटरिंग पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । जयपुर के संतोकबा दुर्लभजी हॉस्पिटल में रविवार सुबह उस वक्त हंगामा मच गया, जब मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि हॉस्पिटल ने बिल का भुगतान पूरा न होने पर शव देने से इनकार कर दिया। मामला तूल पकड़ता गया तो कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा मौके पर पहुंचे और हस्तक्षेप कर शव परिजनों को दिलवाया।दौसा जिले के महवा निवासी विक्रम मीणा (42) का 13 अक्टूबर को बालाजी मोड़, महवा के पास सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो जाने के बाद जयपुर के दुर्लभजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। मृतक के रिश्तेदार जगराम मीणा ने बताया कि उन्होंने मरीज को आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री मां योजना के तहत भर्ती कराने का प्रयास किया, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने इन योजनाओं में इलाज करने से साफ इनकार कर दिया। जगराम ने आरोप लगायाहॉस्पिटल प्रशासन ने कहा कि हम सिर्फ कैश में इलाज करते हैं। करीब 13 दिनों में हमारा बिल 8 लाख से अधिक बना दिया गया।

शनिवार को विक्रम की मौत हो गई। जब परिवार ने शव मांगा तो हॉस्पिटल ने कहा कि शव तभी मिलेगा जब बकाया राशि जमा होगी। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने छ6.39 लाख रुपए जमा कर दिए थे, लेकिन अस्पताल प्रशासन छ1.79 लाख रुपए और मांग रहा था। मृतक के परिजन जब परेशान होकर मंत्री किरोड़ीलाल मीणा से संपर्क में आए, तो उन्होंने तुरंत मामले को संज्ञान में लिया। रविवार सुबह करीब 10:30 बजे मीणा हॉस्पिटल पहुंचे। मंत्री के आने की खबर लगते ही हॉस्पिटल परिसर में भीड़ जुट गई और लोगों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। करीब आधे घंटे तक चली बातचीत के बाद मंत्री मीणा के हस्तक्षेप से हॉस्पिटल प्रशासन ने शव परिजनों को सौंप दिया।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहाहॉस्पिटल प्रशासन ने पैसे न देने के कारण शव को 24 घंटे तक रोके रखा। यह शव के साथ खिलवाड़ है, असंवेदनशील और अमानवीय कृत्य है। मंत्री ने मौके पर मौजूद गांधीनगर थाना पुलिस को निर्देश दिया कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर हॉस्पिटल प्रशासन के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस पूरे मामले की लिखित शिकायत मुख्य सचिव को भेजेंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

दिशा निर्देश

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत रविवार को खाटू में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। राजस्थान की आस्था के प्रमुख केंद्र खाटू श्याम धाम में हो रहे इन कार्यों का उद्देश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार, बेहतर अवसंरचना का निर्माण तथा धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देना है।

पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत दूध पाउडर के दुरुपयोग पर 5 शिक्षक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में स्कूली शिक्षा विभाग ने पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत दूध पाउडर के दुरुपयोग की खबर का संज्ञान लेते हुए संलिप्त कार्मिकों पर कड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने उक्त प्रकरण में प्रारंभिक जांच में दोषी पाए गए श्रीमती शीला बलाई (अध्यापक लेवल-1-राजकीय प्राथमिक विद्यालय, जाटों की ढ़ाणी, भोमिया जी का थान गंगावास, कल्याणपुर), सुरेश कुमार, मंगलाराम (वरिष्ठ अध्यापक-राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, भारी नगर, बावड़ी, जोधपुर), पप्पाराम गोदारा को सीसीए (1958) के नियम 13(1) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने उक्त प्रकरण की जांच के लिए स्कूल शिक्षा निदेशालय, बीकानेर के अधीन एक तीन सदस्यीय समिति का गठन भी किया है। यह उच्च स्तरीय जांच समिति दूध पाउडर के दुरुपयोग की खबर में उल्लेखित तथ्यों का सत्यापन करेगी, साक्ष्य एकत्र करेगी और चार दिनों में एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस दौरान यदि किसी अधिकारी या शिक्षक की संलिप्तता की पुष्टि होती है, तो राजस्थान सिविल सेवा (सीसीए) नियम, 1958 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रदेशभर के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए सामग्री के किसी भी दुरुपयोग की रोकथाम सुनिश्चित करने के क्रम में स्कूली शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों को तीन दिनों के भीतर सत्यापित कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही, सभी पीईईओ (पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और यूसीईईओ (शहरी क्लस्टर प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) को अपने अधिकार क्षेत्र में किन्हीं दो स्कूलों (कुल लगभग 22,500 स्कूल) का गहन निरीक्षण कर जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश भी जारी किए हैं।

मेहन्दीपुर बालाजी थाना पुलिस पर जानलेवा हमला

दौसा। मेहन्दीपुर बालाजी थाना पुलिस ने पुलिस पर जानलेवा हमला व सरकारी वाहन के टक्कर मारने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि 3 अक्टूबर को खेडा पहाडपुर पर सीएनजी पट्रोल पम्प के पास रेस्टोरेन्ट पर झगडा हो रहा था। इस पर एचसी कुलदीपसिंह व पुलिसकर्मी बोलेरो से घटना स्थल पर पहुंचे तो वहां काले रंग की थार खडी मिली। जिसको खोलकर चैक करने की कोशिश की तो एक लडका गाडी मे बैठने लगा। जिसको पकडने का प्रयास किया तो चालक द्वारा पुलिस को जान से मारने की नीयत से गाडी चढाने का प्रयास किया। आरोपी अपनी गाडी को भगा ले गये एवं 5-7 मिनट बाद थार को वापस घुमाकर तेगजति से चलाकर आये और पुलिस को जान से मारने की नीयत से पुनः टक्कर मारने की कोशिश की। सरकारी बोलेरो में पीछे से बार बार टक्कर मारकर गाडी को क्षतिग्रस्त कर भाग गये। थार में सवार बदमाश संजय मीना निवासी लोटवाडा, राहुल मीना निवासी करोडी, डीके मीना निवासी दांतली थे। मुलजिम राहुल मीना करोडी व संजय मीना लोटवाडा को घटना के महज 10 घन्टे के अन्दर पकड़ लिया था। घटना में प्रयुक्त वाहन थार जीप को जब्त किया गया। फरार चल रहे मुलजिम दिलखुश उर्फ डीके पुत्र लखनलाल जाति मीना निवासी दांतली थाना टोडाभीम को भी गिरफ्तार कर लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' भारत की जीवंत और भव्य स्वरूप को दर्शाता है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे भावी पीढ़ियों के लिए इसके मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए इस गीत के 150वें वर्ष को यादगार बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात रेडियो' संबोधन में कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा 1896 में पहली बार गाए गए राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में इससे संबंधित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 30 मिनट के संबोधन में देश के विभिन्न भागों में नागरिकों द्वारा की गई कई अनूठी पहलों का उल्लेख किया, जिनमें गुजरात में मैंग्रोव लगाया जाना, छत्तीसगढ़ में 'गार्बेज कैफे' की शुरुआत और बेंगलूरु में झीलों को पुनर्जीवित करने के प्रयास शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने अर्धसैनिक बलों – सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) – द्वारा अपनी इकाइयों में भारतीय नस्ल के श्वान को शामिल करने के प्रयासों की भी सराहना की और याद दिलाया कि एक मुधोल हाउंड ने एक प्रतियोगिता में विदेशी नस्ल के कुत्तों को पीछे छोड़ते हुए पुरस्कार जीता था। मोदी ने कहा, हमारे देशी श्वान ने भी अद्भुत साहस का परिचय दिया है। पिछले साल, छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित इलाके में गश्त के दौरान सीआरपीएफ के एक देसी श्वान ने 8 किलोग्राम विस्फोटक का पता लगाया था। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सीआरपीएफ ने रामपुर हाउंड, मुधोल हाउंड, मोंगरेल्स, कोम्बाई और पांडिकोना जैसी भारतीय नस्ल के कुत्तों को अपने श्वान दस्तों में शामिल किया है और इनमें से कुछ 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुजरात के एकता नगर में आयोजित परेड में भाग लेंगे।

मोदी ने ओडिशा के कोरापुट में कॉफ़ी की खेती के प्रयासों की भी सराहना की, जिससे क्षेत्र के लोगों को लाभ हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, कोरापुट में ऐसे लोग हैं जो अपने जुनून के साथ कॉफ़ी की खेती कर रहे हैं। ऐसी कई महिलाएं भी हैं जिनके जीवन में कॉफी सुखद बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि दुनिया-भर में भारत की कॉफी बहुत लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने कहा कि चाहे कर्नाटक में चिकमंगलुरु, कुर्ग और हासन हो, तमिलनाडु में पुलनी, शेवरॉय, नीलगिरि और अन्नामलाई के इलाके हों, कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर बिलिगिरि क्षेत्र हो या फिर केरल में वायनाड, त्रावणकोर और मालाबार के इलाके – भारत की कॉफी की विविधता देखते ही बनती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संस्कृति और सोशल मीडिया की दुनिया ने संस्कृत को को नई प्राणवायु दे दी है और कई युवा रील के माध्यम से संस्कृत के बारे में बात करते दिखाई देंगे।

अब 'बिहारी होना' राज्य के लोगों के लिये गर्व की बात : नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को दावा किया कि नवंबर 2005 में उनकी सरकार बनने के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और आज ''बिहारी होना'' राज्यवासियों के लिए गर्व की बात है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, लोग 2005 से पहले का बिहार नहीं भूल सकते, जब अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर थे। हमारी सरकार आने के बाद कानून-व्यवस्था की बहाली को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। अपराध और भ्रष्टाचार पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई। अब राज्य में भय और आतंक का माहौल नहीं है। अब बिहारी होना राज्य के लोगों के लिये गर्व की बात है।''

मुख्यमंत्री ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि 2005 से पहले (जब राजद सत्ता में थी) राज्य में पूरी तरह अराजकता का माहौल था। उन्होंने लिखा, ''शाम छह बजे के बाद लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता था। हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। अपहरण उद्योग का रूप ले चुका था। शोरूम से वाहन लूट लिए जाते थे। अपराधियों के डर से कोई नई गाड़ी खरीदना नहीं चाहता था।'' उन्होंने दावा किया, पैसे वाले लोग भी नया मकान बनाने से कतराते थे। उगाही करने वालों के आतंक से उद्योग-धंधे बंद हो गए थे। डॉक्टर और इंजीनियर राज्य छोड़कर जा रहे थे। उन्होंने कहा, ''पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी। कानून-व्यवस्था जैसी कोई चीज नहीं थी। अपराध को सत्ता में बैठे लोग संरक्षण देते थे। लोग भय के साए में जीने को मजबूर थे। उस समय बिहारी होना अपमान माना जाता था।''

नीतीश कुमार ने कहा कि उस दौर में पुलिस के पास न तो पर्याप्त वाहन थे और न ही आधुनिक हथियार। इससे पुलिस का मनोबल बहुत कम था। उन्होंने बताया, 2005 में बिहार में पुलिस थानों की संख्या केवल 817 थी, जो अब बढ़कर 1,380 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 को नई सरकार के गठन के समय बिहार पुलिस की संख्या बेहद कम थी। कुमार ने बताया कि तब केवल 42,481 पुलिसकर्मी कार्यरत थे।

भाजपा सरकार ने किसानों को 'बर्बाद' कर दिया है : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किसानों की खाद संबंधी समस्याओं को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों को 'बर्बाद' कर चुकी सरकार के पास किसानों के लिए झूठे आश्वासन के अलावा कुछ नहीं है।

यादव ने यहां एक बयान में आरोप लगाया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में किसानों को लगातार खाद के संकट से जूझना पड़ रहा है तथा धान के बाद अब गेहूं और अन्य फसलों की बुआई के लिए खाद नहीं मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएपी, एनपीके आदि अन्य उर्वरकों के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लखीमपुर खीरी, महोबा, फतेहपुर, बदायूं, अमेठी समेत विभिन्न जिलों में सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। किसान दिन भर इंतजार करते हैं लेकिन उन्हें खाद नहीं मिलती है। सपा अध्यक्ष ने कहा, खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जारी है। इस गोरखधंधे में भाजपा के लोग शामिल हैं। सरकार के पास किसानों के लिए झूठे आश्वासन के अलावा कुछ नहीं है।

यादव ने कहा, भाजपा सरकार ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। किसानों की लगातार उपेक्षा हो रही है। भाजपा चाहती है कि किसान परेशान होकर खेती करना छोड़ दें, जिससे वह किसानों की जमीन औने-पौने दाम पर उद्योगपतियों को दे दे। भाजपा पूरी साजिश के तहत किसानों को खेती और उनकी जमीनों से दूर कर रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पूरे प्रदेश के किसानों को पहले धान की फसल के लिए खाद नहीं मिली। कई जगह किसानों पर लाठीचार्ज हुआ। किसान घायल हुए। अब वही स्थिति गेहूं की फसल के लिए भी है। यादव ने कहा कि प्रदेश का किसान त्रस्त है इसलिए साल 2027 में भाजपा सत्ता से हटेगी तभी किसानों की समस्याओं का समाधान होगा।

अगर 'इंडि' गठबंधन सत्ता में आया तो वक्फ कानून कूड़ेदान में फेंक देंगे : तेजस्वी

पटना/कटिहार/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर रविवार को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि गठबंधन के सत्ता में आने पर इस अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में 'इंडि' गठबंधन की सरकार बनती है तो वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता ने मुस्लिम बहुल कटिहार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि उनके पिता एवं राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने कभी सांप्रदायिक ताकतों से समझौता नहीं किया, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा ऐसी ताकतों का साथ दिया है, जिसके कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उसके सहयोगी संगठन राज्य और देश में नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भारत जलाओ पार्टी करार देते हुए कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो सांप्रदायिक एजेंडा तेज होगा। तेजस्वी ने कहा, अगर 'इंडि' गठबंधन सत्ता में आता है तो हम वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देंगे। उल्लेखनीय है कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम अप्रैल में संसद से पारित हुआ था। सत्ता पक्ष ने इसे पिछड़े मुसलमानों और समुदाय की महिलाओं के लिए पारदर्शिता और सशक्तीकरण का माध्यम बताया है, जबकि विपक्ष का आरोप है कि यह मुसलमानों के अधिकारों को प्रभावित करता है। यादव ने आरोप लगाया कि राज्य की 20 वर्ष पुरानी सरकार से लोग ऊब चुके हैं और मुख्यमंत्री अपने होश में नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य के हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कानून-व्यवस्था बदहाल है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सीमांचल क्षेत्र को लेकर कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया और 'इंडि' गठबंधन के सत्ता में आने पर सीमांचल विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा।

ईसाई धर्म अपना रहे लोग आरक्षण पाने के लिए दस्तावेजों में बने हुए हैं हिंदू : परांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने देश में 'क्रिप्टो क्रिश्चियन' की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए रविवार को दावा किया कि ऐसे लोग आरक्षण का फायदा उठाने के लिए धर्म परिवर्तन के बाद अपने आधिकारिक रिकॉर्ड में बदलाव नहीं करते हैं।

यहां विश्व हिंदू परिषद के काशी प्रांत कार्यालय केसर भवन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऐसे लोग आस्था और उपासना के मामले में ईसाई हैं, लेकिन आधिकारिक दस्तावेजों में हिंदू ही बने रहते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि न तो सरकार और न ही समाज को उनके धर्म बदलने के बारे में जानकारी है, और केवल चर्च को ही उनके असली धार्मिक जुड़ाव के बारे में पता है। उन्होंने दावा किया, ''ईसाइयों ने धर्मांतरण की जो रणनीति बनाई है, उसमें वे धर्मांतरण करने वाले हिंदुओं का नाम नहीं बदलते, जिससे हिंदू 'क्रिप्टो क्रिश्चियन' बना रहता है। इस तरह, ईसाई यह दावा कर सकते हैं कि धर्मांतरण नहीं हो रहा है तथा जनसंख्या के आंकड़ों में बदलाव नहीं दिखता है।'' परांडे ने कहा, जब विहिप मतदाता सूची का अवलोकन करती है, तो कुछ गांवों में बिल्कुल भी ईसाई नहीं दिखते -- फिर भी वहां कई चर्च हैं। अगर उन गांवों में कोई ईसाई नहीं रहता, तो ये चर्च किसके लिए बनाए गए हैं? यह साफ दिखाता है कि ये धर्मांतरण के लिए हैं।''

समाज में एकता और सहयोग का संदेश देती है छठ पूजा : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को देशवासियों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। मुर्मू ने संदेश में कहा, छठ पूजा के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। इस पर्व पर सूर्य उपासना के साथ नदियों, तालाबों व जल स्रोतों की आराधना की जाती है। हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और परिवार के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। यह पर्व स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। समाज में एकता, सहयोग और सामूहिक सहभागिता की भावना को छठ पूजा और भी मजबूत करती है।''

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने वास्तुकारों से सुरक्षित, टिकाऊ डिजाइन को बढ़ावा देने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में निर्माण क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए राज्य के वास्तुकारों से सुरक्षित, टिकाऊ और स्थानीय वास्तुकला को बढ़ावा देने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री ने वास्तुकारों से आग्रह किया कि वे सुरक्षा से कोई समझौता न करें और ऐसे नवोन्मेषी समाधान विकसित करें जो सौंदर्य मूल्य को संरचनात्मक मजबूती के साथ जोड़ें। मुख्यमंत्री रियो चुमौकेदिमा में 'नगालैंड आर्किटेक्ट्स एसोसिएशन (एएनए)' के 25वीं वर्षगांठ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस समारोह की विषय वस्तु

''समुदाय का जश्न, रचनात्मकता का पोषण'' रखी गई। रियो ने 25वीं वर्षगांठ की उपलब्धि को हमारे राज्य के स्वरूप को आकार देने के लिए समर्पित पेशेवरों के समुदाय की दूरदर्शिता, दृढ़ता और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।

मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करने से पहले घर और सजावट सामग्री संबंधित एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। रियो ने 'एएनए' के प्रारंभिक वर्षों को याद किया और नगालैंड में 'विकास नियंत्रण और भवन उप-नियमों' के लिए इसके शुरुआती समर्थन की प्रशंसा की है जिसे उन्होंने संगठित, सुरक्षित और टिकाऊ शहरी विकास की दिशा में एक आधारभूत कदम बताया उन्होंने संगठन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह 120 से अधिक पंजीकृत वास्तुकारों का एक मजबूत निकाय बन गया है जो अब नीति-निर्माण, सरकारी सेवा, निजी कार्य और उद्यमिता में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रियो ने कहा, वास्तुकार केवल इमारतों के डिजाइनर नहीं हैं, वे हमारी विरासत के संरक्षक हैं, हमारी संस्कृति के व्याख्याकार हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डिजाइन और स्थान पारंपरिक नगा लोकाचार को आधुनिक कार्यक्षमता के साथ जोड़कर राज्य की पहचान में योगदान देता है। रिया ने क्षेत्र की संवेदनशीलता पर प्रकाश डालते हुए याद दिलाया कि हम भूकंपीय जोन पांच में रहते हैं।

मोदी की 'गले लगाने की कूटनीति' कुआलालंपुर में नहीं दिखी : कांग्रेस ने किया कटाक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

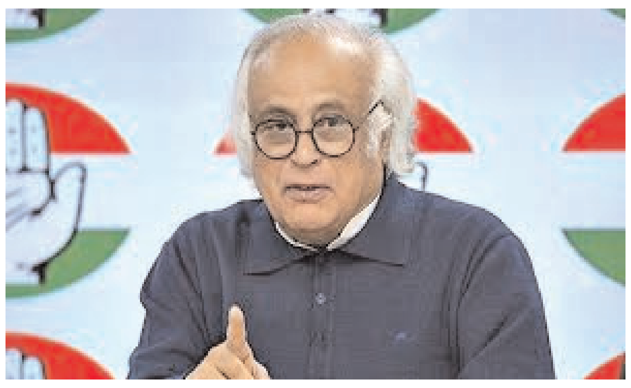

नई दिल्ली/भाषा। भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद में कटौती करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फिर से दावा करने को लेकर कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री की ''गले लगाने की कूटनीति'' कुआलालंपुर में नहीं दिखी। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने यह कटाक्ष ऐसे समय किया है, जब ट्रंप ने आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मलेशिया जाते समय संवाददाताओं से कहा कि ''भारत रूसी तेल की खरीद में पूरी तरह कटौती कर रहा है।''

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, बीती रात, एयर फ़ोर्स वन में कुआलालंपुर जाते समय, राष्ट्रपति ट्रंप ने कम से कम छठी बार यह दावा दोहराया कि भारत रूस से तेल के आयात में कटौती कर रहा है। इस बार उन्होंने कहा है कि भारत रूस से तेल के आयात को पूरी तरह शून्य कर देगा। रमेश ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि श्रीमान मोदी की 'हग्लोमैसी' (गले लगाने की कूटनीति) आज कुआलालंपुर में नहीं दिखी।'' रमेश ने ट्रंप की पत्रकारों के साथ बातचीत का एक वीडियो क्लिप भी साझा किया, जिसमें उन्होंने भारत द्वारा रूसी तेल आयात में कटौती करने के अपने दावे को दोहराया। रविवार से शुरू हुए आसियान शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मलेशिया की यात्रा नहीं करने और इसमें डिजिटल तरीके से भाग लेने का विकल्प चुनने के बाद, कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मलेशिया नहीं जा रहे हैं क्योंकि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सामना नहीं करना चाहते। रमेश ने पिछले सप्ताह कहा था, ''सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ़ में संदेश पोस्ट करना एक बात है, लेकिन उस व्यक्ति के साथ आमने-सामने होना दूसरी बात है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोकने का दावा 53 बार किया है और पांच बार यह कहा है कि भारत ने रूस से तेल ख़रीदना बंद करने का वादा किया है... यह उनके लिए काफ़ी जोखिम भरा है।

भारत में वायु प्रदूषण संकट अब मस्तिष्क और शरीर पर एक बड़ा हमला है: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) में आमूलचूल परिवर्तन किए जाने और राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को तत्काल अद्यतन करने का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि भारत का वायु प्रदूषण संकट अब केवल श्वसन संबंधी समस्या नहीं रह गया है बल्कि यह ''हमारे मस्तिष्क और शरीर पर एक बड़ा हमला'' है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि वायु प्रदूषण एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा है तथा यह ''हमारे समाज, स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और भावी श्रम बल के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा'' है। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भारत का वायु प्रदूषण संकट अब केवल श्वसन संबंधी समस्या नहीं रह गया। यह अब हमारे मस्तिष्क और शरीर पर व्यापक पैमाने पर हमला है।'' रमेश ने कहा कि 2023 में भारत में लगभग 20 लाख लोगों की मौत का संबंध वायु प्रदूषण से था जो 2000 से 43 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि इनमें से लगभग 10 में से नौ लोगों की मौत गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) जैसे हृदय रोग, फेफड़ों के कैंसर, मधुमेह और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के कारण हुईं।

लखनऊ में एसी बस में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रेवड़ी टोल प्लाजा के पास रविवार को एक निजी डबल डेकर एसी स्लीपर बस में आग लग गई, हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार यह घटना सुबह करीब पौने पांच बजे हुई, जब दिल्ली से लखनऊ होते हुए गोंडा जा रही 44 सीटों वाली बस में टोल प्लाजा से करीब 500 मीटर पहले अचानक आग लग गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची। अग्निशमन विभाग की मदद से बस में मौजूद सभी 39 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और बस के अंदर कोई फंसा नहीं था। एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया।

बस चालक जगत सिंह से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग किन्हीं अज्ञात कारणों से बस के एक पहिये में लगी और जल्दी ही पूरे वाहन में फैल गई।

पुलिस ने पुष्टि की है कि किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। बाद में बस को सड़क से हटा दिया गया और यातायात सामान्य हो गया।

बस मालिक श्यामलाल गोले ने सभी यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एक वैकल्पिक वाहन की व्यवस्था की। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है।

अब उप्र के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली में नहीं भटकना होगा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अब राज्य के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली में नहीं भटकना पड़ेगा। गाजियाबाद में रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा एक निजी अस्पताल के लोकार्पण किए जाने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद में स्थापित यशोदा मेडिसिटी इसका सशक्त उदाहरण है और यह केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा की एक नई परिभाषा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे प्राप्त होंगी।

योगी ने कहा कि प्रदेश के लोगों को अब दिल्ली में महंगे इलाज के लिए भटकने की जरूरत नहीं, क्योंकि गाजियाबाद में ही विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में जब उत्तर प्रदेश में तृतीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित हुई थी, उस समय डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एमओयू किया था कि गाजियाबाद में अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करेंगे। इसमें सभी प्रकार की सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं होंगी और विशेष रूप से कैंसर की अत्याधुनिक सुविधा भी, जिसके लिए पहले लोगों को विदेश जाना पड़ता था।

मिजोरम से लगी सीमा पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती हो : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने म्यांमार से अवैध प्रवासियों की घुसपैठ की रोकथाम के लिए मिजोरम से लगी सीमा पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात करने की रविवार को मांग की। म्यांमार के अवैध प्रवासियों ने मिजोरम में कथित तौर पर बस्तियां बसा ली हैं।

मणिपुर के चूड़ाचांदपुर और फिरजावल जिले मिजोरम के साथ लगभग 95 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं। सिंह ने एक कार्यक्रम के इतर संवाददाताओं से कहा, ''मिजोरम में जो अधिकतर घुसपैठ

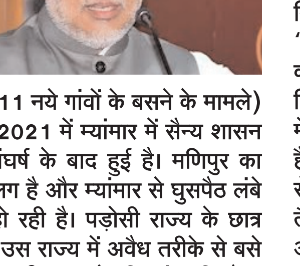

(खासकर 11 नये गांवों के बसने के मामले) हुई है वह 2021 में म्यांमार में सैन्य शासन के साथ संघर्ष के बाद हुई है। मणिपुर का मामला अलग है और म्यांमार से घुसपैठ लंबे समय से हो रही है। पड़ोसी राज्य के छात्र संगठनों ने उस राज्य में अवैध तरीके से बसे गांवों को खाली करवाने की मांग की है।'' उनका यह बयान, राज्य में अवैध प्रवासियों की बस्तियों को तत्काल खाली करवाने के लिए मिजो छात्र संघ द्वारा सरकार से आग्रह किये जाने के बाद आया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब ऐसा (अवैध बस्तियों को हटाया जाएगा) होगा तो क्या होगा... हमारी सीमा मिजोरम से लगी हुई है। सिंह ने कहा, ''...घुसपैठ को रोकने के लिए राज्य पुलिस को मिजोरम और मणिपुर सीमा पर तैनात किया जाना चाहिए। राज्य पुलिस में नगा, मेइती और कुकी समुदायों के लोग शामिल हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं राज्यपाल से मिजोरम से लगी सीमा पर राज्य के पुलिस बलों की तैनाती करने का भी आग्रह करूंगा ताकि अवैध प्रवासियों की किसी भी तरह की घुसपैठ को रोका जा सके। मैं चाहता हूं कि पूरा मणिपुर अवैध प्रवासियों और मादक पदार्थों से संबंधित मुद्दों पर एकजुट हो।''

संभल दंगों के मुख्य साजिशकर्ता के खिलाफ जल्द ही जारी होगा रेड कॉर्नर नोटिस : पुलिस अधीक्षक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पिछले वर्ष हुई हिंसा के मामले में 'मुख्य साजिशकर्ता' शारिक साटा के खिलाफ जल्द ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया जाएगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार बिश्नोई ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि पिछले साल यहां हुई हिंसा में शारिक साटा नाम का व्यक्ति मुख्य षडयंत्रकारी के रूप में उभर कर आया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। उसके खिलाफ जल्द ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया जाएगा। बिश्नोई ने बताया कि मुख्य आरोपी शारिक साटा ने अपने साथियों के साथ मिलकर पिछले साल संभल में हुई हिंसा की योजना बनायी थी। संभल में यह हिंसा पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के दूसरे सर्वेक्षण के बाद हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी जबकि 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। एसपी ने कहा कि साटा देश छोड़कर भाग गया था और तब से ही फरार है। पुलिस के कई छापों के बावजूद उसका पता नहीं चल सका, जिसके बाद उसके आवास पर एक नोटिस चिपका दिया गया। बिश्नोई ने बताया कि उसके खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और इंटरपोल सहित विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय के बाद शारिक साटा की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सुविचार

हर दिन एक नई शुरुआत है, अपने बीते कल को भूलकर आज से नई उम्मीदों के साथ आगे बढे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सकारात्मक सोच से खुल रहीं नई राहें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 127वीं कड़ी में देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे ऐसे कार्यों के बारे में जानकारी दी है, जो अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर में प्लास्टिक कचरा साफ करने से संबंधित जिस अनोखी पहल (गार्बेज कैफे) का जिक्र किया, उसका अन्य शहरों में भी विस्तार होना चाहिए। इस कैफे में कोई व्यक्ति एक किलोग्राम प्लास्टिक लेकर जाता है तो उसे दोपहर या रात का खाना मिलता है। वहीं, आधा किलोग्राम प्लास्टिक लेकर जाने पर नाश्ता मिलता है। अंबिकापुर नगर निगम का यह प्रयास सराहनीय है। इससे प्लास्टिक कचरे को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। आज शहरों में ही नहीं, गांवों में भी प्लास्टिक कचरा एक बड़ी समस्या बन चुका है। अगर लोगों को प्लास्टिक के बदले नाश्ता और भोजन मिल जाए तो इससे कई परिवारों को सहारा मिलेगा। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इससे मिलते-जुलते कार्यक्रम कुछ और जगहों पर चलाए जा रहे हैं, जो काफी सफल रहे हैं। उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम को प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने बोतलें जमा कराने पर यात्रियों को आर्थिक प्रोत्साहन देना शुरू किया था। इसके तहत यात्री क्यूआर कोड युक्त प्लास्टिक बोतल जमा करवाकर 10 रुपए वापस प्राप्त कर सकते हैं। यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाती है। जो प्लास्टिक आज पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन गया है, उसके निस्तारण के लिए ऐसे अनूठे प्रयास बहुत असरदार साबित हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि 'दुर्भाग्य से गुलामी के कालखंड में और आजादी के बाद भी संस्कृत लगातार उपेक्षा की शिकार हुई है।' युवाओं में संस्कृत के प्रति आकर्षण कम हुआ है। अब कुछ युवा सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर इस भाषा को बढ़ावा दे रहे हैं। बेशक सोशल मीडिया संस्कृत के प्रचार-प्रसार में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अब सवाल है- क्या संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए सिर्फ लाइक, शेयर और सब्सक्राइब कर देना काफी है? लोग अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर संस्कृत की तारीफ तो खूब करते हैं, लेकिन इस भाषा में प्रकाशित होने वाली कितनी पत्रिकाएं मंगवाते हैं? संस्कृत की कई अच्छी पत्रिकाएं आर्थिक सहयोग एवं घटती पाठक संख्या के कारण बंद हो गईं। किसी भाषा से लगाव होना अच्छी बात है, लेकिन यह लगाव सोशल मीडिया और नारेबाज़ी तक सीमित नहीं रहना चाहिए। आम तौर पर लोग भाषा की जय-जयकार करने में खूब ऊर्जा लगाते हैं, लेकिन जैसे ही बात सहयोग करने की आती है तो उदासीनता दिखाने लगते हैं। वे मेले-ठेले, दिखावेबाजी में हजारों-लाखों रुपए लगाते समय खर्चे का हिसाब नहीं करते, लेकिन बीस-पच्चीस रुपए की साहित्यिक पत्रिका खरीदते समय उन्हें महसूस होता है कि महंगाई बहुत बढ़ गई है। अगर चाहते हैं कि संस्कृत या किसी भी भाषा का प्रचार-प्रसार हो तो ख़ुद को सोशल मीडिया तक सीमित न रखें। उस भाषा में प्रकाशित पत्र-पत्रिकाएं भी पढ़ें। उनकी सदस्यता जरूर लें। प्रधानमंत्री ने बेंगलूरु में इंजीनियर कपिल शर्मा द्वारा किए जा रहे कार्यों का जिक्र कर झीलों और जलाशयों का संरक्षण करने वाले लोगों को प्रोत्साहन दिया है। देश में कई झील, बावड़ी, तालाब, कुंड और जलाशय उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। इन्होंने वर्षों तक जनता की प्यास बुझाई थी। आज जब इन्हें अपना अस्तित्व बचाने के लिए जनसहयोग की जरूरत है तो सबको आगे आना चाहिए। अगर लोग इनमें कचरा डालना बंद कर दें तो यह भी बहुत बड़ा सहयोग होगा।

ट्वीटर टॉक

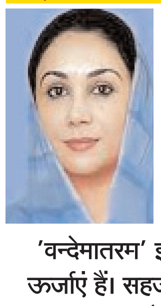

खाटू में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। राजस्थान की आस्था के प्रमुख केंद्र खाटू श्याम धाम में हो रहे इन कार्यों का उद्देश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार पर्यटन को नई दिशा देना है।

-दीया कुमारी

'वन्देमातरम' इस एक शब्द में कितने ही भाव हैं, कितनी ऊर्जाएं हैं। सहज भाव में ये हमें माँ भारती के वात्सल्य का अनुभव कराता है। यही हमें माँ भारती की संतानों के रूप में अपने दायित्वों का बोध कराता है। 'वन्देमातरम' उद्घोष 140 करोड़ भारतीयों को एकता की ऊर्जा से भर देता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

स्वतंत्र भारत के शिल्पकार, लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम सरदार 150 यूनिटी मार्च के संदर्भ में सवाई मानसिंह इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यशाला में मुख्यमंत्री के साथ भाग लिया।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

कर्म और आयु

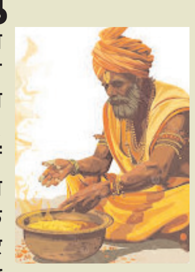

भगवान पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्यों के साथ गमन कर रहे थे, तभी उनके शिष्य अग्निवेश ने उनसे पूछा कि सभी प्राणियों की आयु के निर्धारण का क्या आधार है? इसके उत्तर में भगवान आत्रेय ने कहा, 'इस संसार में प्राणियों की आयु उनके कर्मों और युक्तियों पर निर्भर करती है। आयु की दीर्घता या अल्पता, सुख या दु:ख, दैव (भाग्य) और पुरुषकार (स्वयं के कर्म) की शक्ति और अनुकूलता पर निर्भर करती है। जब दैव और पुरुषकार दोनों ही श्रेष्ठ होते हैं, तब आयु दीर्घ, सुखमय और नियत होती है। लेकिन जब दोनों ही कमजोर होते हैं, तो आयु अल्प, दु:खमय और अनियत हो जाती है। बलवान पुरुषकार, दुर्बल दैव को पराजित कर सकता है, जबकि बलवान दैव, दुर्बल पुरुषकार को पराजित कर सकता है। इस प्रकार, कुछ लोग मानते हैं कि आयु का निर्धारण निश्चित और नियत होता है, क्योंकि दैव और पुरुषकार दोनों ही आयु पर प्रभाव डालते हैं।'

सामयिक

एक पर्व नहीं, महापर्व है छठ पूजा

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

दिवाली के बाद छठ पूजा का त्योहार बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान घर से लेकर घाटों तक बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इस दौरान छठी मैया की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसर छठी मैया की उपासना और व्रत करने से संतान को दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है।उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूम-धाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्ध्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है।

हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं। छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते है। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं। ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। छठ पूजा का व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से नि:संतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है।छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशिर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है। छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं। छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख- समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है।

लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा। एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था।

महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय-खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करके व्रत तोड़ा जाता है। छठ पूजा के व्रत को जो भी रखता है। वह इन दिनों में जल भी नही ग्रहण करता है। इस व्रत को करने से सुख-समृद्धि और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस पूजा वैसे तो मुख्य रुप से सूरय देवता की पूजा की जाती है। लेकिन साथ ही सूर्य देव की बहन छठ देवी की भी पूजा की जाती है। जिसके कारण इस पूजा का नाम छठ पूजा पड़ा। इस दिन नदी के तट में पहुंचकर पुरुष और महिलाएं पूजा-पाठ करते है। साथ ही छठ माता की पूजा को आपके संतान के लिए भी कल्याणकारी होती है।ो

चिंतन

स्लीपर बसें : चलता फिरता मौत का सफर

बृजेश सिंह तोमर

मोबाइल : 7999881392

देश के हाईवे अब सफ़र के नहीं, लाशों के रास्ते बनते जा रहे हैं। ताज़ा घटना मध्यप्रदेश के शिवपुरी-इंदौर मार्ग की है, जहाँ अशोकनगर के पास एक बस में अचानक आग लग गई। संयोग से घटना का समय नींद का नहीं था लिहाजा यात्रियों की जान तो बच गई, पर उनका समान, लगेज राख में बदल गया। मंजर सोचिये, आग में धू-धू करती जलती हुई बस और यात्रियों में कुछ पल उसके भीतर होने की कल्पना...? घटना सिर्फ यही नहीं बल्कि ठीक इसी तरह की जिसमें कुछ दिन पहले आंध्रप्रदेश के कुरनूल में 21 लोग बस में जिंदा जल गए थे। इससे पहले राजस्थान के जैसलमेर में 20 यात्रियों की बस में जिंदा जलकर मौत हुई थी। हादसों की श्रृंखला सिर्फ ताजा माह की ही नहीं है बल्कि इससे पूर्व 2021 में महाराष्ट्र के बुलढाणा में भीषण आग ने 26 लोगों को ज़िंदा जला दिया था, जबकि 2013 में आंध्रप्रदेश के महबूबनगर हादसे में 45 लोग एक ही बस में जिंदा जलकर भस्म हो गए थे। ताजा एक महीने में ही स्लीपर बसों में लगी आग से 40 से ज़्यादा यात्रियों की जान जा चुकी है। हर हादसे के बाद कुछ दिन का हल्ला होता है, फिर वही पुरानी कहानी दोहराई जाती है,ओर इसके बाद लाशों पर लिफाफों का वजन भारी पड़ जाता है और सब कुछ पहले की ही तरह चलने लगता है।

स्लीपर बसें अब सफ़र का साधन नहीं रहीं, बल्कि चलती फिरती मौत का इंतज़ाम बन चुकी हैं। आरटीओ नियमों को खुलेआम ताक पर रखकर इनका संचालन किया जा रहा है। ऑल इंडिया परमिट के नाम पर ये बसें रोज़ एक ही मार्ग पर दौड़ाई जा रही हैं, जबकि मोटर व्हीकल अधिनियम, 1988 की धारा 88(12) और सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स, 1989 के अनुसार, ऑल इंडिया परमिट वाली बसें किसी एक राज्य या मार्ग पर नियमित रूप से नहीं चल सकतीं। यह परमिट केवल लचीले अंतरराज्यीय संचालन के लिए होता है, लेकिन सिस्टम की मिलीभगत से इन बसों को रोज़ाना तय रूट पर चलाया जा रहा है। आरटीओ अधिकारी सब जानते हुए भी आँखें बंद किए हुए हैं, क्योंकि यह खेल केवल सड़क पर नहीं, फाइलों के अंदर भी चलता है। इन बसों का तकनीकी ढाँचा खुद खतरे का सबब है। निचले हिस्से को खोखला करके लगेज स्पेस बना दिया गया है, जहाँ यात्रियों का सामान कई बार ज्वलनशील वस्तुएँ भी ठूँस दी जाती हैं जो छोटी सी घटना को भी बड़ा कर देती है। कई बार इसी हिस्से में बिजली की वायरिंग गुज़रती है। एक छोटी-सी चिंगारी पूरे वाहन को आग का गोला बना देती है। ऊपर स्लीपर बर्थ इतने तंग बनाए जाते हैं कि हवा का प्रवाह तक नहीं रहता। अधिकांश बसों में इमरजेंसी एग्ज़िट नहीं होते। बस एक ही दरवाज़ा आगे होता है, जो आग लगने पर सबसे पहले लपटों में घिर जाता है। परिणाम यह कि यात्रियों के लिए बस चलती चिता में बदल जाती है।बसों में फिटिंग सस्ती जुगाड़ से होती है जिनकी सर्विसिंग महीनों तक टाली जाती है, और कई बार बसें ओवरलोड चलाई जाती हैं। ड्राइवरों से लगातार 14-18 घंटे तक बस चलवाई जाती है, जिससे थकान और ध्यान की कमी से हादसे बढ़ते हैं। हर बार हादसे के बाद कारण शार्ट सर्किट या तकनीकी खराबी का बता दिया जाता है पर असल सच्चाई यह है कि यह तकनीकी खराबी नहीं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार है। फिटनेस सर्टिफिकेट बिना वास्तविक निरीक्षण के जारी किए जाते हैं, फायर सेफ्टी उपकरण केवल दिखावे के लिए रखे जाते हैं, और विभागीय जांच के नाम पर औपचारिकता निभाकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है। जरूरत है कि अब इस पूरे सिस्टम को झकझोरा जाए। केवल हादसों पर दुख जताने या जांच बिठाने से काम नहीं चलेगा। स्लीपर बसों की सुरक्षा के लिए अब ठोस कदम उठाने होंगे। हर बस में आगे और पीछे दो आपात दरवाजे अनिवार्य किए जाएं, खिड़कियों के कांच आपात स्थिति में खुलने वाले हो न कि पूरी तरह से बंद। निचले हिस्से की बायरिंग लगेज सेक्शन से पूरी तरह अलग हो, फायर डिटेक्टर और ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर सिस्टम लगाए जाएं।

सरकार को चाहिए कि स्लीपर बसों के लिए नए राष्ट्रीय सुरक्षा मानक बनाए जाएं, जो यूरोपीय देशों की तरह अनिवार्य हों। चीन, फ्रांस, और ब्रिटेन जैसे देशों ने ऐसे हादसों के बाद स्लीपर बसों पर या तो बैन लगाया या बहुत कड़े सुरक्षा मानक लागू किए। भारत में यह ढील और मुनाफाखोरी ही हर बार नई जानें लील रही है। अब वक्त आ गया है कि फिटनेस सर्टिफिकेट केवल कागज़ नहीं, जीवन की गारंटी बने। जब तक आरटीओ दफ्तरों की सांठगांठ नहीं टूटेगी, तब तक सड़कें जलती रहेंगी और यात्रियों की चीखें हवा में खोती रहेंगी। हादसे किस्मत नहीं, नीतिगत नाकामी और लालच की उपज हैं। हर राख के ढेर में जलती है उस व्यवस्था की गैरजिम्मेदारी, जिसने इंसानी ज़िंदगी को व्यापार बना दिया है। अब फैसला सरकार को लेना है कि या तो इन चलती फिरती मौत की गाड़ियों को सुधारे, या सड़क से हटा दे। क्योंकि सफ़र सिर्फ पहुँचने के लिए नहीं होता बल्कि सुरक्षित तरीके से ज़िंदा पहुँचने के लिए भी होना चाहिए जिसकी जबाबदेही सरकार की है....।

नजरिया

बच्चों से भीख मंगवाना एक सामाजिक अपराध

डॉ प्रियंका सौरभ

किसी के भी जीवन की सबसे अमूल्य संपत्ति बचपन है। खेलना, पढ़ना, सीखना और सुरक्षित वातावरण में बड़े होना, हर बच्चे का अधिकार है। लेकिन बच्चों का शोषण, भीख मंगवाने के लिए उनका इस्तेमाल और उनकी मासूमियत का लाभ उठाना आज गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। भीख मंगवाना व्यक्तिगत समस्या नहीं है; यह एक व्यवस्थित व्यवसाय बन चुका है। छोटे-बड़े शहरों में यह आम दृश्य है कि मासूम बच्चे हाथ में थाली, कपड़े या किसी वस्तु के साथ चलते हैं और लोग उनके मासूम चेहरों पर दया दिखा कर पैसे डाल देते हैं। यह न केवल बच्चों के बचपन को छीनता है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से भी प्रभावित करता है। समाज की जागरूकता की कमी, लोगों का दया भाव और कुछ परिवारों की आर्थिक मजबूरी मिलकर इस समस्या को बढ़ावा देते हैं। यह सिर्फ गरीबी का नतीजा नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी है।

बचपन किसी भी मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हिस्सा होता है। यह वह समय है जब बच्चे सीखते हैं, अनुभव प्राप्त करते हैं और अपनी पहचान बनाते हैं। लेकिन जब बच्चों को भीख मंगवाने या किसी अन्य शोषण के लिए मजबूर किया जाता है, तो उनका विकास बाधित होता है। भीख मंगवाना कभी-कभी आर्थिक मजबूरी का नतीजा हो सकता है, लेकिन जब यह नियमित रूप से होता है और बच्चे को मजबूर किया जाता है, तो यह शोषण बन जाता है। मासूमियत का फायदा उठाकर बच्चों से पैसे कमाना एक नैतिक अपराध है। समाज की भूमिका यहां महत्वपूर्ण बन जाती है। लोग यह सोचकर पैसा देते हैं कि वे मदद कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे बच्चों के शोषण को प्रोत्साहित कर रहे हैं। माता-पिता और परिवार की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को इस तरह की गतिविधियों से बचाएं।

भारत में बाल श्रम और बच्चों से भीख मंगवाने को रोकने के लिए कई कानून हैं। बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम बच्चों को मजदूरी और शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है। इसके अलावा, चाइल्डलाइन 1098 जैसी सेवाएँ 247 बच्चों की मदद के लिए उपलब्ध हैं। एनजीओ और सामाजिक संगठन भी सक्रिय रूप से बच्चों को शोषण से बचाने और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं। लेकिन वास्तविक चुनौती यह है कि कई बार बच्चे और उनके माता-पिता कानूनी संरचना से अनजान रहते हैं और शोषण नेटवर्क इतने संगठित होते हैं कि उन्हें पकड़ना मुश्किल होता है। सरकार और समाज को मिलकर बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलानी होगी और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना होगा।

समाज का दया भाव और सहानुभूति अक्सर बच्चों के शोषण का कारण बन जाती है। अगर लोग बच्चों को भीख देने के बजाय सही तरीके से मदद करें, तो वे शोषण को बढ़ने से रोक सकते हैं। स्थानीय समुदाय, स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और खेलकूद का अवसर देना उनके विकास के लिए जरूरी है। समाज को यह समझना होगा कि केवल पैसे देना बच्चों की मदद नहीं है। सही कार्रवाई, जैसे एनजीओ, चाइल्ड लाइन और सामाजिक संस्थाओं को सूचित करना ही बच्चों को शोषण से बचा सकती है। भीख मंगवाना कई जगहों पर आर्थिक व्यवसाय बन चुका है। कुछ परिवार और नेटवर्क मासूम बच्चों को इस्तेमाल करके पूरे दिन हजारों रुपये कमाते हैं। यह सिर्फ बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाना नहीं है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित करना भी है। पैसा देने वाले लोग यह सोचते हैं कि वे दया कर रहे हैं लेकिन असल में वे इस प्रणाली को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। यह एक चक्र बन जाता है, जिसमें बच्चों का शोषण जारी रहता है। बच्चों के भविष्य और समाज की नैतिक जिम्मेदारी के लिहाज से यह गंभीर समस्या है।

इस समस्या का समाधान समाज, सरकार और नागरिकों के मिलकर काम करने में है। बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी है। पैसे देने की बजाय मदद करें। बच्चों को भीख देने के बजाय उन्हें शिक्षा, खेल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाएं। बच्चों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड लाइन (1098) और मान्यता प्राप्त एनजीओ से संपर्क करें। समाज में बच्चों के अधिकारों और शोषण की समस्या के बारे में जागरूकता बढ़ाएं। स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों के सुरक्षित वातावरण को सुनिश्चित करें। सिर्फ दया भाव या छोटे पैसों से बच्चों की मदद नहीं होगी। सही कार्रवाई, जागरूकता और कानूनी उपाय ही उन्हें बचा सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत रूस से तेल खरीद में पूरी तरह से कटौती कर रहा है : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करने जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत रूसी तेल खरीद में पूरी तरह से कटौती कर रहा है, जबकि चीन काफी हद तक कटौती करेगा। शनिवार को मलेशिया जाते समय विशेष विमान 'एयर फोर्स वन' में पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि भारत रूसी तेल खरीद में पूरी तरह से कटौती कर रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात के दौरान रूसी तेल का मुद्दा उठाने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, ट्रंप ने कहा कि वह चिनफिंग के साथ रूसी तेल खरीद पर चर्चा कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा, मैं इस पर चर्चा कर सकता हूं। चीन रूसी तेल खरीद में काफी हद तक कटौती कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति और उनका प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहे हैं कि भारत ने आश्वासन दिया है कि वह रूस से अपने तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाएगा। हालांकि, भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके अपने राष्ट्रीय हितों, खासकर अपने उपभोक्ताओं के लिए किफायती और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने से प्रेरित है। अमेरिका का दावा है कि भारत, मॉस्को से कच्चा तेल खरीदकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण में मदद कर रहा है। ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर देने के बाद, जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है, नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। भारत ने अमेरिका के इस कदम को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए, ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने का दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता था कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष सहित अन्य युद्धों को सुलझाना मुश्किल होगा तथा रूस और यूक्रेन युद्ध को सुलझाना आसान होगा, लेकिन वह गलत थे। दस मई को, जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने दर्जनों बार अपने इस दावे को दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के समाधान में मदद की है। भारत ने लगातार यह कहा है कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशक के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया था।

वीआईटीईईई 2026 के लिए आवेदन शुरू हुए

वेल्लोर/दक्षिण भारत। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने वीआईटीईईई 2026 के लिए आवेदन लेने शुरू कर दिए हैं। छात्र वेल्लोर, चेन्नई, अमरावती और भोपाल परिसरों में वीआईटी के प्रमुख इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए वीआईटीईईई.वीआईटी.एसी.इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वीआईटीईईई 2026 एक ही चरण में होगी। यह 28 अप्रैल से 3 मई, 2026 तक चलेगी। यह परीक्षा भारत के 134 शहरों और 9 अंतरराष्ट्रीय परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इससे छात्रों को अपने अध्ययन स्थान या मूल क्षेत्र के आधार पर स्थान चुनने की सुविधा मिलेगी।

संस्थान ने कहा कि वह विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, मजबूत उद्योग संबंधों और उत्कृष्ट प्लेसमेंट अवसरों के साथ इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए भारत के सबसे ज्यादा मांग वाले गंतव्यों में से एक बना हुआ है।

रूपाली गांगुली से डेविड धवन तक कई हस्तियों ने सतीश शाह को दी अंतिम विदाई

मुंबई/एजेन्सी

दिवंगत अभिनेता सतीश शाह का अंतिम संस्कार रविवार को मुंबई के विले पार्ले पश्चिम स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर हुआ। इस दौरान बॉलीवुड सेलेब्स और उनके दोस्त सतीश शाह को श्रद्धांजलि देने के लिए अंतिम संस्कार में शामिल हुए।'साराभाई वर्सेस साराभाई' के उनके सह-कलाकार रूपाली गांगुली, सुमित राघवन, राजेश कुमार, रत्ना पाठक शाह, नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, सुप्रिया पाठक और अभिनेता दीपक पाराशर भी पहुंचे। उनके बाद नील नितिन मुकेश, अवतार गिल, रूमी जाफरी, अनंत नाग और डेविड धवन जैसे अन्य लोग श्मशान घाट पर मौजूद रहे। बॉलीवुड स्टार जैकी श्रॉफ भी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उनके साथ जॉनी लीवर और निर्माता अशोक पंडित को भी उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होते हुए देखा गया।

सतीश शाह के शव को एक एंबुलेंस के जरिए शमशान घाट तक पहुंचाया गया। उसके पीछे लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा, सभी उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। शनिवार को मुंबई में 74 साल की उम्र में अभिनेता का निधन हो गया। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि सतीश शाह को शिवाजी पार्क स्थित हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया था, जहां उनकी मौत हो गई।

सतीश शाह के निधन की जानकारी देते हुए पीडी हिंदुजा अस्पताल एवं चिकित्सा अनुसंधान केंद्र ने मीडिया को एक आधिकारिक बयान जारी किया है। इसके मुताबिक मशहूर अभिनेता सतीश शाह के निधन से हमें गहरा दुख हुआ है। आज (शनिवार) सुबह अस्पताल को शाह के स्वास्थ्य के बारे में एक इमरजेंसी कॉल आया। मेडिकल टीम के साथ एक एम्बुलेंस तुरंत उनके आवास पर भेजी गई, जहां उन्हें बेहोश पाया गया। एम्बुलेंस में उन्हें सीपीआर देना शुरू किया गया, जो पीडी हिंदुजा अस्पताल एवं चिकित्सा अनुसंधान केंद्र पहुंचने तक जारी रहा। हमारी मेडिकल टीम के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद सतीश शाह को बचाया नहीं जा सका। सतीश शाह भारतीय सिनेमा और टेलीविजन के लोकप्रिय कैरेक्टर आर्टिस्ट थे, जो अपनी बेजोड़ कॉमिक टाइमिंग और अभूतपूर्व अभिनय प्रतिभा के लिए जाने जाते थे।

2026 आसियान-भारत समुद्री सहयोग का वर्ष होगा : मोदी

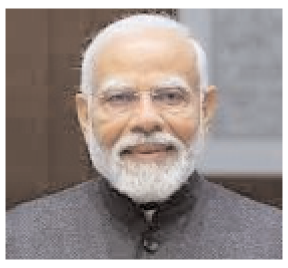

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी वैश्विक स्थिरता और वृद्धि के लिए एक शक्तिशाली आधार के रूप में उभर रही है।

मोदी ने भारत-आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा कि यह समूह नई दिल्ली की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने कहा, भारत ने हमेशा 'आसियान केंद्रीयता' और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान के नजरिये का पूरा समर्थन किया है।

मोदी ने कहा, अनिश्चितता के इस दौर में भी, भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने लगातार प्रगति की है। हमारी मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और वृद्धि के लिए एक शक्तिशाली आधार के रूप में उभर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर संकट में अपने आसियान मित्रों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है और समुद्री सुरक्षा तथा नीली अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर हम 2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित कर रहे हैं।

मोदी ने आगे कहा, हम शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। हम अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

आसियान को इस क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है, और भारत, अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद साझेदार हैं।

रोमांटिक-फेमिली ड्रामा 'जस्सी वेड्स जस्सी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और पंजाबी सिनेमा के शानदार कलाकार रणवीर शौरी एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। 'बिग बॉस ओटीटी 3' में किए गए अपने उस बयान काम होता तो मैं यहां नहीं होता' के बाद अब वह बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी कर रहे हैं। उनकी आगामी पंजाबी कॉमेडी फिल्म 'जस्सी वेड्स जस्सी' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसमें भरपूर मनोरंजन का वादा झलकता है। इस फिल्म में रणवीर के साथ अनुपम खेर के बेटे सिकंदर खेर और अभिनेता हर्षवर्धन सिंह देव भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर की झलक बताती है कि कहानी में रोमांस, कॉमेडी और एक्शन का मजेदार संयोजन देखने को मिलेगा। रणवीर जहां एक दिलफेंक आशिक की भूमिका में हैं, वहीं सिकंदर दबंग अंदाज में दिखाई दे रहे हैं, जो फिल्म की कहानी में एक रोचक टकराव पैदा करता है।

फिल्म का निर्देशन परन बावा ने किया है, जो इससे पहले 'रंग दे बसंती' और 'अंग्रेजी मीडियम' जैसी फिल्मों में निर्देशन टीम का हिस्सा रह चुके हैं। इस बार वह पूरी तरह कॉमेडी रोमांस की कमान संभालते दिखाई देंगे। कहानी पुराने जमाने की पॉप कल्चर व आकर्षण को आज के दर्शकों के स्वाद के साथ मिलाती नजर आएगी। 'जस्सी वेड्स जस्सी' 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा रहा है और साफ संकेत देता है कि यह फिल्म पंजाबी एंटरटेनमेंट में हंसी का नया धमाका करने वाली है।

'दो पत्ती' यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे हमेशा गर्व रहेगा : कृति सेनन

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अदाकारा कृति सेनन ने अपनी फिल्म दो पत्ती के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया और कहा कि यह एक ऐसा प्रोजेक्ट है जिस पर उन्हें हमेशा गर्व रहेगा। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण कृति के साथ कनिका ढिल्लन ने किया था। यह कृति सेनन के प्रोडक्शन बैनर ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के तहत उनकी पहली फिल्म भी थी। इस फिल्म में कृति ने दोहरी भूमिका निभाई और फिल्म में उनके अलावा काजोल और शाहिर शेख भी हैं। यह 25 अक्टूबर 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। सेनन ने शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के ट्रेलर का एक वीडियो शेयर किया। मेरे प्रोडक्शन बैनर के तहत बनी फिल्म को एक साल हो गया। एक ऐसी फिल्म जिस पर मुझे हमेशा गर्व रहेगा।

रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा 'द गर्लफ्रेंड' का दमदार ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।अभिनेत्री ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं, यह आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' का ट्रेलर रिलीज। फिल्म में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अभिनेता धीक्षित शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। 2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में रश्मिका भूमा के किरदार में और धीक्षित विक्रम के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, फिल्म में अनु इमैनुएल का किरदार भी अहम है। फिल्म तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि विक्रम (धीक्षित) को एक टॉक्सिक, डॉमिनेटिंग, घमंडी, हिंसक और शक्की बॉयफ्रेंड के रूप में दिखाया गया है, जबकि भूमा एक साधारण और सहज लड़की है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते के बोझ में दबी है। ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका (भूमा) झिझकते हुए विक्रम से कहती है कि क्या हम थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं? जिस पर रिएक्ट करते हुए विक्रम कहता है, ब्रेक का मतलब एक से ब्रेक है।

'बाहुबली: द एपिक' ट्रेलर ने मचाई धूम, प्रभास का दिखा दमदार अवतार

मुंबई/एजेन्सी

एक तरफ प्रभास अपनी आने वाली फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर चर्चा में हैं वहीं दूसरी तरफ उनकी एक और भव्य प्रस्तुति 'बाहुबली: द एपिक' सुर्खियों में छाई हुई है। यह फिल्म खास इसलिए मानी जा रही है क्योंकि इसमें 'बाहुबली' के दोनों हिस्सों के चुनिंदा और कुछ पहले कभी न देखे गए सीक्वेंस को नवीन रूप में पिरोकर पेश किया गया है। ट्रेलर रिलीज होते ही बाहुबली का नया रूप सोशल मीडिया के रणभूमि में आग की लपटों सा फैल गया। अब देखना यह है कि जनता कैसा प्रतिक्रिया दे रही है।

'बाहुबली: द एपिक' के जरिए निर्देशक एसएस राजामौली ने एक बार फिर दर्शकों को माहिष्मति के वैभवशाली साम्राज्य में पहुंचा दिया है। पुराने प्रशंसक जहां यादों की नदी में डुबकी लगा रहे हैं, वहीं नई पीढ़ी बाहुबली की महागाथा से अचंभित होकर उसकी तारीफ कर रही है। दर्शकों का कहना है कि ट्रेलर ने 'बाहुबली: द बिगनिंग' और 'बाहुबली: द कन्क्लूजन' के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को बेहद सहज तरीके से एक सूत्र में बांध दिया है। फिल्म के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर ट्रेलर साझा करते हुए लिखा गया है, 2 फिल्में, एक अद्भुत सिनेमाई अनुभव! प्रस्तुत है एसएस राजामौली की 'बाहुबली: द एपिक'।' यह महाकाव्य 31 अक्टूबर 2025 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रहा है। लगभग 3 घंटे 40 मिनट से ज्यादा के रनटाइम वाली इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों का उत्साह अब आसमान छू रहा है। 'बाहुबली: द बिगनिंग' और 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' की ऐतिहासिक सफलता के बाद राजामौली इस नई प्रस्तुति को फ्रेंचाइजी की 10वीं वर्षगांठ का उत्सव बता रहे हैं। 10 जुलाई 2015 को रिलीज हुई पहली फिल्म में प्रभास, राणा दग्गुबाती, अनुष्का शेट्टी और तमन्ना भाटिया जैसे सितारों ने जादू बिखेरा था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया था। वहीं 'बाहुबली 2' ने 1,800 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक कमाई कर भारतीय सिनेमा को वैश्विक मानचित्र पर स्वर्णाक्षरों में दर्ज कर दिया।

'थामा' बनी बॉक्स ऑफिस की बादशाह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में दीपावली का सप्ताह हमेशा फिल्मों के लिए खास रहता है। इस बार भी दर्शकों को एक नहीं बल्कि दो बड़ी फिल्मों का तोहफा मिला, पहली आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की 'थामा' और दूसरी हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की 'एक दीवाने की दीवानियत'।दोनों ही फिल्मों ने सिनेमाघरों में एक साथ दस्तक दी, जिससे बॉक्स ऑफिस पर सीधी टक्कर देखने को मिली। जहां एक तरफ 'थामा' अपनी अनोखी कहानी, हॉरर-रोमांस के तड़के और शानदार स्टारकास्ट के दम पर दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही, वहीं दूसरी ओर 'एक दीवाने की दीवानियत' एक इमोशनल लव स्टोरी के रूप में दर्शकों के बीच उतरी। आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल स्टारर 'थामा' ने रिलीज के पहले ही दिन शानदार ओपनिंग लेकर सबको चौंका दिया। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन यानी मंगलवार को 24 करोड़ रुपये की धमाकेदार कमाई की। दूसरे दिन बुधवार को फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट देखने को मिली, लेकिन फिर भी 18.6 करोड़ रुपये का मजबूत कारोबार किया। वहीं तीसरे दिन यानी गुरुवार को फिल्म की कमाई घटकर 13 करोड़ रुपये रह गई।

चौथे दिन शुक्रवार को फिल्म का ग्राफ और नीचे आया, और शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सिर्फ 3.79 करोड़ रुपये की कमाई की।

इस तरह चार दिनों में 'थामा' का कुल भारत नेट कलेक्शन 59.39 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो यह आंकड़ा 76.7 करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। हालांकि फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन पहले हफ्ते में ही लगभग 60 करोड़ का कारोबार करना अपने आप में बड़ी बात है। आयुष्मान और रश्मिका की जोड़ी को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं, जबकि नवाजुद्दीन सिद्दीकी की रहस्यमयी भूमिका ने कहानी को और भी रोमांचक बना दिया है। वहीं, दूसरी ओर हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की 'एक दीवाने की दीवानियत' ने भी दर्शकों का ध्यान खींचने की कोशिश की, लेकिन फिल्म उतनी बड़ी कमाई नहीं कर पाई जितनी मेकर्स को उम्मीद थी। इस रोमांटिक ड्रामा ने पहले दिन 9 करोड़ रुपये की कमाई के साथ ठीक-ठाक शुरुआत की।

इसके बाद फिल्म का कलेक्शन धीरे-धीरे नीचे जाता गया। दूसरे दिन 'एक दीवाने की दीवानियत' ने 7.4 करोड़ रुपये कमाए, जबकि तीसरे दिन यह गिरकर 6.35 करोड़ रुपये रह गया।

चौथे दिन यानी शुक्रवार को फिल्म ने केवल 2.2 करोड़ रुपये का कारोबार किया। चार दिनों में फिल्म की कुल कमाई भारत में 24.95 करोड़ रुपये रही, जबकि वर्ल्डवाइड स्तर पर इसने 28.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अगर बात करें इस हफ्ते की बॉक्स ऑफिस रेस की, तो यहां बाजी साफ तौर पर 'थामा' के हाथ लगी है।

कशिका कपूर की सहज खूबसूरती ने 'पिच टू गेट रिच' स्क्रीनिंग पर चुराया सबका ध्यान

पटना/एजेन्सी

कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ़ फैशन तक सीमित नहीं रहता वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक। ऐसा ही कुछ हुआ जब कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराज़ी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल संसेशन बन गया फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए।अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नज़र आती हैं आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामैटिक अंदाज़, न कोई बनावट बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ़ कर रहा था, वहीं यह साफ़ दिख रहा था कि बात सिर्फ़ कपड़ों की नहीं थी बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शख्सियत के रूप में पेश किया जो जानती हैं कि वो कौन हैं और कहां जा रही हैं। हर फ्रेम में उनके सफ़र की झलक थी एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की ख़ासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है ग्लैमर के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुईं। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ़ दिखने के लिए नहीं हैं बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। अपने आने वाले बॉलीवुड और साउथ प्रोजेक्ट्स के साथ, यह वायरल पल किसी चौंकाने वाली बात से ज़्यादा एक झलक है उस सितारे की, जिसकी चमक अब और भी तेज़ होने वाली है।

किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ की ओर से मुमुक्षु अंजनी भरतकुमार जैन का सम्मान किया गया।

ज्ञान बांटने से घटता नहीं, बल्कि और बढ़ता है

किलपॉक जैन संघ में ज्ञान पंचमी की आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में रविवार को ज्ञान पंचमी की आराधना अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुई। आयोजन में आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के पावन सान्निध्य में संघ ने आत्मजागृति की अनुपम साधना की। प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि ज्ञान पंचमी व्यवहार में लाभ पंचमी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मति ज्ञान से श्रुत ज्ञान का महत्व अधिक है। व्यक्ति की प्रतिष्ठा नहीं, उसका ज्ञान कितना गहरा है, यही वास्तव में महत्वपूर्ण है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि व्याकरण के माध्यम से शब्द का सच्चा अर्थ तभी समझा जा सकता है, जब ज्ञान का प्रकाश भीतर हो।उन्होंने साधकों को प्रेरित करते हुए कहा कि लाभ पंचमी के दिन ज्ञान के दर्शन का लाभ अवश्य लेना चाहिए।

पंन्यास विमलपुण्य विजयजी म.सा. ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि ज्ञान वह है, जो जागृति लाता है। वह धन है, जिसकी चोरी नहीं हो सकती। ज्ञान बांटने से घटता नहीं, बल्कि और बढ़ता है। व्यक्ति मात्र अक्षर जान लेने से ज्ञानी नहीं कहलाता, ज्ञान का परिणाम भीतर परिवर्तन लाए, यही उसका सार है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और श्रद्धा एक-दूसरे के पूरक हैं। व्यवहार ज्ञानी और निश्चय ज्ञानी, दोनों में अंतर बताते हुए कहा कि जिस ज्ञान की पंक्तियों में वैराग्य झलके, वही निश्चय ज्ञान है।उन्होंने सुंदर उदाहरण दिया, धुआं अग्नि के भीतर की उपस्थिति बताता है, वैसे ही ज्ञान हमारे भीतर के सत्य का बोध कराता है। पंन्यासश्री ने कहा कि स्वाध्याय ज्ञान प्राप्ति का मूल है। उन्होंने इसके पांच रूप बताए, वाचना यानी सूत्र या गाथा का ग्रहण करना, पृच्छना यानी वाचना के बाद प्रश्न पूछना, अनुप्रेक्षा यानी जो सुना या पढ़ा है, उसका चिंतन करना, आम्नाय यानी स्मरण व पुनरावृत्ति और धर्मोपदेश यानी दूसरों को ज्ञान देना। उन्होंने कहा, गुरु बिना ज्ञान नहीं, केवल अक्षर पढ़ना ज्ञान नहीं कहलाता। गुरु के प्रति विनम्रता और आज्ञा से ही सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है। ज्ञान, दर्शन और चारित्र को उन्होंने मोक्ष का मार्ग बताया, जबकि तप को मोक्ष का द्वार कहा। उन्होंने चेताया कि अज्ञान ही पाप का आमंत्रण है, इसलिए हर जैन को ज्ञान के दीप को प्रज्वलित रखना चाहिए। प्रवचन के दौरान दीक्षार्थी अंजनि भरतकुमार जैन का संघ की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर सिद्धार्थ कोचर ने बताया कि आगामी 1 से 8 नवंबर तक संघ में मुमुक्षु निर्मलादेवी की दीक्षा एवं पंन्यास विमलपुण्य विजयजी म.सा. और साध्वी त्यागनिधिजी म.सा. की सौवीं ओली तप के पारणे के उपलक्ष्य में अष्टान्हिका महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें मेगा म्यूजिक सिंफोनी सहित कई प्रेरक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें जाने-माने कलाकारों की उपस्थिति रहेगी।

पुरुषवाक्कम में गुरु गणेश की जन्म जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सानिध्य में रविवार को गुरु गणेश की जन्म जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुनिश्री ने अपने प्रवचन में बताया कि ज्ञान पंचम और इसकी आराधना का जीवन में विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि ज्ञान पंचम की आराधना करने से ज्ञानावरणीय कर्म का क्षय होता है और व्यक्ति के भीतर ज्ञान का प्रकाश स्थिर रहता है। ज्ञान कभी मौन नहीं होना चाहिए, इसलिए इस पर्व की आराधना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अन्य दिनों की तुलना में इस दिन अध्ययन करने से ज्ञान जल्दी स्मरण हो जाता है।

मुनिश्री ने कहा कि कई स्थानों पर इस दिन को लाभ पंचम के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन लोग अच्छे कार्यों में निवेश करते हैं ताकि आगे चलकर उन्हें अनेक गुना लाभ प्राप्त हो। इसीलिए बुद्धिमान लोग आज के दिन दान-पुण्य में राशि अर्पित करते हैं, क्योंकि यह दिन शुभ फल देने वाला माना गया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, जैसे खेत में एक बीज बोने से पूरा खेत हरा-भरा हो जाता है, वैसे ही लाभ पंचम के दिन किया गया एक छोटा-सा दान कई गुना फल देता है। गुरु गणेश के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मुनिजी ने कहा कि उनका जीवन संघर्षों और कठिनाइयों से भरा हुआ था। एक बार उनके गुरु ने कहा, गणेश, तूने जो चादर ओढ़ रखी है, वह तेरी नहीं है। तब गुरु गणेश ने उत्तर दिया, यह मेरी ही चादर है। गुरु ने कहा, नहीं, तूने ज्ञान, दर्शन और चरित्र की नहीं, बल्कि मोह की चादर ओढ़ रखी है। उस क्षण गुरु गणेश को आत्मबोध हुआ और उन्होंने सही मार्ग चुना।

दान और अंतराय कर्म पर बोलते हुए मुनिजी ने कहा कि अगर धन पाप से कमाया गया हो, तो उसे दान देकर शुद्ध करना चाहिए। उन्होंने उदाहरण दिया कि मेवाड़ के महाराणा प्रताप का नियम था कि अगर घर में चार रोटियां हों, तो एक जरूरतमंद के लिए अवश्य बचाकर रखी जाए। इसी तरह जैसे शबरी ने श्रीराम के आगमन की तैयारी पहले से की थी, वैसे ही हमें भी अच्छे कार्यों के लिए सदा तैयार रहना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि गुरु गणेश की कृपा से भारत में हर घर में दान पेटी देखने को मिलती है। उनका विचार था कि दुख दूर करने का सबसे सरल उपाय तपस्या और दान है। जो भी उनके नाम से किसी कार्य की शुरुआत करता था, उसकी समस्या तपस्या के मार्ग से दूर हो जाती थी।

अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा ने बताया कि आज धर्म सभा मे सुमतिदेवी तातेड का मासक्षमण की तपस्या के प्रत्याख्यान हुए। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

दीपावली स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के राजपुरोहित समाज के दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन रविवार को हुआ जिसमें धर्मगुरु संत खेतेश्वरजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा की गई। समाज बंधुओं ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी तथा गायों के चारे पानी की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहयोग एकत्रित किया। महिलाओं ने भजनों के माध्यम से संतश्री खेतेश्वरजी का गुणगान किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष हापू सिंह, उपाध्यक्ष नारायण सिंह, सहसचिव शिवसिंह, कोषाध्यक्ष चंद्रसिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह में नई कार्यकारिणी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विरूगम्बाक्कम पॉन ब्रोकर एसोसिएशन के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वार्षिक साधारण सभा रखी गई।

जिसमें एसोसिएशन का गत वर्ष का सम्पूर्ण लेखा-जोखा का हिसाब प्रस्तुत किया गया। सदस्यों द्वारा पिछले वर्ष के कार्यो एवं सुझावों पर विचार विमर्श किया गया। तत्पश्चात आगामी कार्यकाल के लिए सर्व-सहमति से एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का विधिवत गठन किया गया। जिसमें गोमाराम सोलंकी को अध्यक्ष व रामलाल पंवार को उपाध्यक्ष तथा रमेश मुलेवा को स चि व, कोषाध्यक्ष पद के लिए आनंद कुमार लोढा को चुना गया। इस मौके पर एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी तेजाराम सेपटा, मंगलाराम पंवार, गणपतराज गुगलिया के साथ सभी सदस्यों की उपस्थित रही।

भेदभाव आत्मा का असली शत्रु है : राष्ट्रसंत कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि गरीब-अमीर, छोटे-बड़े, नारी-पुरुष के बीच में परस्पर खाई जितनी-जितनी ज्यादा बढ़ती जाएगी उतना ही अधर्म पाप बढ़ता जाएगा। मानवता का जनाजा निकलता जाएगा। भेदभाव की खाई जिनके दिलों निर्मित हो जाती है, उसकी शांति सद्भावना प्रेम सौहार्द सब नष्ट हो जाते हैं। मानवता के टुकड़े-टुकड़े हो जाते हैं उसमें भी वह आनंद मानता है।

उन्होंने कहा कि समानता के धरातल पर ही मानवता की मंजिल खड़ी की जा सकती है। धार्मिकता का विकास किया जा सकता है। मानव मानव के बीच प्रेम और सद्भाव के फूल खिल सकते हैं। भेदभाव के हलाहल जहर को गले लगाने के लिए विश्व का कोई भी धर्म इजाजत नहीं देता है। भेदभाव आत्मा का असली शत्रु है जिसे खुद का पतन होता है अगले का नुकसान हो जाना हो। राष्ट्र संत ने कहा कि किसी भी प्रकार की विषमता की भेदभाव की खाई से मन मंदिर में उठने वाली नफरत खतरनाक परमाणु पूरे विश्व को तबाह कर सकते हैं। जैन संत ने कहा कि परस्पर जितनी दूरियां कम होती जाएगी उतना ही व्यक्ति धर्म के नजदीक आता जाएगा। साधना का अधिकारी बनेगा परमात्मा उसके ऊपर सबसे ज्यादा मेहरबान होगा। अंत में कहा कि जिनके दिलों में और असमानता की खाई नहीं है वह सबसे बड़ा धार्मिक है। विश्व शांति का मूल मंत्र भी इसी में छिपा हुआ है। कौशल मुनिजी ने मंगलाचरण किया। घनश्याम मुनिजी, अक्षत मुनिजी ने विचार व्यक्त किए। मंत्री डॉ संजय पीचा ने संचालन किया।

माँ दधिमती सेवा धाम में हुआ अन्नकूट महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित माँ दधिमती सेवा धाम, दाहिमा भवन में रविवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही भक्तों की भीड़ माँ दधिमती के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी।

मंदिर परिसर को सुंदर पुष्पों और रोशनी से सजाया गया था। माँ का विशेष श्रृंगार कर दीप आरती की गई। इसके बाद छप्पन प्रकार के भोग से माँ के चरणों में अर्पित कर अन्नकूट प्रसादी का आयोजन हुआ।

भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और माँ दधिमती से परिवार व समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे परिसर में जय माँ दधिमती के जयघोष गूंजते रहे। सेवा धाम के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष भक्ति भाव से किया जाता है ताकि समाज में एकता, सद्भावना और सेवा की भावना को बल मिले। उन्होंने कहा कि चेन्नई में बसे दाहिमा समाज के लिए माँ दधिमती सेवा धाम एक आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के न्यासी रघुनाथ हिंसोडिया, अध्यक्ष विनोद व्यास, उपाध्यक्ष शिवपाल मिसर, सहमंत्री कमल तिवारी, कोषाध्यक्ष नवरतनमल व्यास, दीनदयाल व्यास, गोपाल व्यास, राजीव त्रिवेदी, प्रदीप तिवारी, मुकेश पलोद, गिरधारी सूँठवाल, सुरेंद्र इंटोडिया, मुकेश इंटोडिया, पवन रिनवा, ओम प्रकाश मिसर, किशन तिवारी, तुषार तिवारी एवम अन्य सदस्यों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

यह जानकारी महामंत्री नारायण दाहिमा ने दी। कार्यक्रम का समापन माँ की शयन आरती के साथ हुआ। भक्तों ने माँ के आशीर्वाद के साथ प्रसादी ग्रहण कर भक्ति और आनंद का अनुभव किया।

अन्नकूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के सान्निध्य में इस रविवार मंडल के सभी सदस्यों श्रीगणेशजी, श्रीरामजी, श्रीगुरुजी को अपने अपने श्रद्धा भाव से अन्नकूट का भोग लगाया। इसमें सबसे पहले श्री गणेश वंदना, श्री गुरु वंदना, मां सरस्वती वंदना के बाद सामूहिक रूप से अमृतवाणी का पाठ किया गया। विशेष सुरेश जी शर्मा मुरूगन भक्त द्वारा सभी को मिठाई के डब्बे बाटें गए। अंत में सभी भक्तों को अन्नकूट का प्रसाद बांटा गया। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने दी।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत किया वॉकथॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत, इंडियन ओवरसीज़ बैंक (आईओबी) ने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए आज बेसेंट नगर बीच पर एक वॉकथॉन का आयोजन किया। यह पहल केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा देशव्यापी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के आयोजन के अनुरूप है, जिसका समापन 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक 'सतर्कता : हमारी साझा ज़िम्मेदारी' विषय पर आधारित सप्ताह में होगा।

वॉकथॉन में आईओबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें कार्यकारी निदेशक जॉयदीप दत्ता रॉय, कार्यकारी निदेशक धनराज टी, और मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) राजीव कुमार, साथ ही चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय और केंद्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक, अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सतर्कता एक साझा ज़िम्मेदारी है, इस बारे में जन जागरूकता बढ़ाना और भ्रष्टाचार मुक्त समाज को बढ़ावा देना था।

ज्ञान के समान कोई धन और पवित्र चीज नहीं है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म. सा. ने ज्ञान पंचमी के अवसर पर रविवार को प्रवचन के दौरान कहा कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी को ज्ञान, श्रुत, लाभ और सौभाग्य पंचमी के नाम से जाना जाता है। ज्ञान से बढ़कर मनुष्य के जीवन में कोई लाभ और सौभाग्य नहीं है। जीवन के समस्त दुःख और द्वन्दों का कारण अज्ञान है अज्ञान से बड़ा कोई अंधकार और कोई दूसरा शत्रु नहीं। अज्ञान जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप है।

सुख सुविधा के संसाधनों को प्राप्त करने के बावजूद भी संसार में अनेक लोग अज्ञान के कारण दुःखी और संत्रस्त नजर आते हैं। इसके विपरीत जिनके पास ज्ञान का बल है वे सीमित साधनों में भी जीवन में सहज आनंद और संतोष का अनुभव करते हैं। ज्ञान ही व्यक्ति को पूर्णता और संतुष्टि का अनुभव कराता है। इस संसार में ज्ञान के समान कोई भी धन और पवित्र चीज नहीं है। ज्ञान ही जीवन का सार और प्रकाश है। जो सभी बन्धनों से मुक्ति दिलाने में सक्षम है। संसार की सभी भौतिक सम्पदा एक दिन नष्ट हो जाती है मगर ज्ञान एक ऐसी निधि है जो इस लोक और परलोक में आत्मा का हमसफर बनती है। ज्ञान की उपासना और आराधना करने वाले के जीवन से सभी संक्लेश समाप्त हो जाते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि जीवन में ज्ञान की महिमा अपरम्पार है। ज्ञान ही सही समय पर उचित निर्णय लेने में मार्गदर्शन करता है चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य देता है। सही और गलत, करणीय और अकरणीय के बीच भेद रेखा खींचने वाला तत्व ज्ञान ही है। जीवन में ज्ञान का विकास व्यक्तिगत लाभ के साथ एक स्वस्थ और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए भी जरूरी है। ज्ञान की महिमा को जान कर ज्ञानराधना में पुरुषार्थ करना चाहिए। ज्ञानावरणीय कर्म बंध के कारणों से बचने की सजगता रखिये। किसी भी साधु साध्वी भगवंत की निंदा और अवज्ञा न करें। जो साधु साध्वी की निंदा करता है मानो वह नाखूनों से पहाड़ खोद रहा है। निंदा करने वाले को अपने पतन के सिवाय कुछ भी हासिल नहीं होता। निंदक व्यक्ति अपने भविष्य को अंधकारमय बना लेता है। ज्ञान और ज्ञानी से द्वेष करने से, ज्ञान और ज्ञानी की आशातना करने से, किसी के द्वारा ज्ञान अर्जन में बाधा डालने से ज्ञानावरणीय कर्म का बंध होता है जिसका खामियाजा कई जन्मों तक मंदमति विवेकशून्य के रूप में रहकर भुगतना पड़ता है।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने बताया कि इस मौके पर सुभाषचंद रांका, हुक्मीचंद कोठारी, विजयकुमार कोठारी, सुनील भड़कतिया, आई.एस मेहता, अशोक छाजेड़, जवाहरलाल नाहर, विजयसिंह पींचा, ललित नाहर, सरदारमल बोहरा, महेन्द्र मकाणा, महावीरचंद सिंघवी, प्रकाशचंद सिंघवी, कुलदीप खिंवसरा आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। धर्म सभा का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

पच्चीस बोल पर ज्ञान कार्निवल का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल तमिलनाडु द्वारा पच्चीस बोल पर आधारित ज्ञान कार्निवल का आयोजन मुनियप्पा रोड पर स्थित सामायिक स्वाध्याय भवन किया गया। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि जैन धर्म के पच्चीस बोल पर आधारित पदर्शनी में पच्चीस स्टाल लगाए। इस पदर्शनी में स्वाध्याय भवन साहूकारपेट, चूले, वेपेरी, आवडी, पुरुषवाक्कम, किलपाक, केएलपी अपार्टमेंट, ओसवाल गार्डेन, चिन्तादरीपेट, पेरम्बूर, कोंडीतोप, अयनावरम करियानचावडी, नंगनल्लूर, वडपलनी, रोयापेट, न्यू आवडी रोड आदि क्षेत्रों से पच्चीस बोल पर आधारित प्रदर्शनी के स्टाल श्राविकाओं- बालिकाओं ने लगाए।

इस प्रदर्शनी में श्रावक संघ तमिलनाडु के अध्यक्ष आर पदमचन्द बागमार सहित पदाधिकारी श्राविका मण्डल की अखिल भारतीय अध्यक्ष संगीता बोहरा, कोषाध्यक्ष सुरेखा मुणोत, श्राविका मण्डल तमिलनाडु अध्यक्ष शशि कांकरिया, दिव्यज्योति चौधरी सहित पदाधिकारी युवक परिषद् शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल आदि की उपस्थिति रही। प्रदर्शनी के अंत में महासती अंजनाश्री ने मांगलिक सुनाई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.